मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 3 नवंबर 2025

संवत 2082, कार्तिक शुक्लपक्ष 13 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 54 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ ज्ञान के प्रकाश से समाप्त होती है माया

अरशद वापसी ने शाहरुख के साथ अपने रिश्तों पर की बात ◀◀ 6

तेलंगाना : रंगारेड्डी में भीषण सड़क हादसा

बस- ट्रक की टक्कर में 20 की मौत, कई घायल

✔ गिट्टी के नीचे दबे लोग, शवों को निकालने के लिए काटनी पड़ी बस , मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका ✔ पीएम मोदी ने किया मुआवजे का एलान

औरंगाबाद : तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। साइबराबाद आयुक्तालय की सीमा पर आज सुबह हुए इस भीषण हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

यह दुर्घटना चेवेल्ला मंडल के खानपुर गेट के पास उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार ट्रक गलत दिशा से आकर टीजीआरटीसी की यात्री बस से आमने-सामने टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि

बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और ट्रक पर लदी गिट्टी बस के अंदर यात्रियों पर जा गिरी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे। गिट्टी में दबे लोगों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। सभी घायलों को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा इतना भयावह था कि कई यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। राज्य के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस दुखद हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए अधिकारियों को राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। हादसे के बाद आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं। शुरूआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुआ।

अंधविश्वासः डायन के शक में बेटे ने की मां की हत्या

संवाददाता

दुमका : जिले के गोपीकांदर थाना क्षेत्र में कलयुगी पुत्र ने अंधविश्वास में चाकू से प्रहार कर वृद्ध मां को जख्मी कर दिया । इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मां की हत्या करने के आरोप में मधुबन गांव के रामजन हेम्ब्रम नाम के आरोपी पुत्र को बीते रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मां डायन है और बेटी की मौत की जिम्मेदार वही हैः इसके साथ ही पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू और खून से सने कपड़े को भी जब्त कर लिया है। गोपीकांदर के थाना प्रभारी सुमित कुमार भगत ने बताया कि प्रारम्भिक पूछताछ में मिली

जानकारी के अनुसार आरोपी रामजन हेम्ब्रम ने डायन-बिसाही के शक में अपनी मां मुन्नी सोरेन की हत्या कर दी। किसी ने उसे यह कहकर बहका दिया था कि उसकी मां डायन है और उसकी बेटी की मौत की जिम्मेदार वही है। इसी बात से गुस्से में आकर नशे की हालत में रामजन ने मंगलवार की रात करीब एक बजे दीघा गांव पहुंचा और सो रही मां पर चाकू से वार कर दिया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल मुन्नी सोरेन को उसकी बेटी ने तत्काल गोपीकांदर सीएचसी में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे दुमका रेफर कर दिया गया।

सीएम की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आज, कई अहम प्रस्तावों पर लग सकती है मुहर

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आज यानी सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक होगी। यह बैठक प्रोजेक्ट भवन मंत्रालय में शाम तीन बजे शुरू होगी। बैठक में विभिन्न विभागों से आए प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी और मंत्रिमंडल के सदस्यों द्वारा उस पर निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस बार की बैठक में राज्यहित से जुड़े कई अहम मुद्दों पर मुहर लग सकती है। आज के एजेंडे में करीब 20 से 25 प्रस्तावों पर चर्चा और निर्णय लिए जाने की संभावना है।

किसानों को मुआवजा देने पर हो सकती है चर्चाः बैठक का सबसे अहम मुद्दा चक्रवात तूफान मोंथा से किसानों की फसलों को हुए नुकसान पर चर्चा होगा। कृषि विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा, जिसके तहत प्रभावित किसानों को आर्थिक सहायता दी जा सकती है।

राज्य स्थापना दिवस की तैयारी पर भी मंथनः 15 नवंबर को होने वाले झारखंड स्थापना

दिवस की तैयारियों पर भी बैठक में चर्चा होगी। सरकार इस बार स्थापना दिवस को विशेष रूप से मनाने की योजना बना रही है। रांची के मोरहाबादी मैदान में मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें कई जनकल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की जा सकती है।

अभियंताओं की पदोन्नति और कैडर प्रबंधन पर निर्णय संभवः लंबे समय से अभियंताओं की पदोन्नति, स्थानांतरण और सेवा शर्तों में एकरूपता लाने की मांग उठ रही थी। आज की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल सकती है। इसके बाद अभियंताओं के कैडर प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ेगी।

संविदा नियुक्ति और विकास योजनाओं की समीक्षाः बैठक में विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर संविदा नियुक्ति को लेकर भी निर्णय लिया जा सकता है। साथ ही ग्रामीण विकास और जल संसाधन विभाग की योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा भी होगीः सरकार गठन के एक साल पूरे होने पर राज्य में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके तहत योजनाओं के क्रियान्वयन की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जा सकती है।

अफगानिस्तान में भूकंप से फिर मची तबाही कम से कम 20 लोगों की मौत, 320 घायल

नई दिल्लीः उत्तरी अफगानिस्तान में रविवार देर रात 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 320 अन्य लोग घायल हो गए। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के खुल्म से 22 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में 28 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप स्थानीय समयानुसार रविवार रात 12 बजकर 59 मिनट पर आया। सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि भूकंप में कम से कम 20 लोग मारे गए और 320 लोग घायल हो गए।

अफगानिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि अधिकतर घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें प्रारंभिक उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बचाव और आपातकालीन सहायता दल रविवार रात आए भूकंप से सर्वाधिक प्रभावित बल्ख और

समांगन प्रांतों में पहुंच गए हैं तथा उन्होंने घायलों को निकालने और प्रभावित परिवारों की सहायता करने सहित बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बल्ख और समांगन प्रांतों में सबसे अधिक क्षति हुई है। अफगान अधिकारियों के अनुसार, भूकंप उत्तरी बल्ख प्रांत की राजधानी मजार-ए-शरीफ में भी महसूस किया गया। सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज से पता चला कि भूकंप से मजार-ए-शरीफ में ऐतिहासिक नीली मस्जिद को कुछ नुकसान पहुंचा है।

दीवारों से कई ईंटें गिर गईं लेकिन मस्जिद सुरक्षित है। सदियों पुराना यह स्थल अफगानिस्तान के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों में से एक है और इस्लामी एवं सांस्कृतिक उत्सवों के दौरान यहां बड़ी संख्या में लोग एकत्र होते हैं। भूकंप अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और कई अन्य प्रांतों में भी महसूस किया गया। हाल के वर्षों में अफगानिस्तान में कई भूकंप आए हैं और देश को, खासकर दूरदराज के इलाकों में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में अक्सर कठिनाई का सामना करना पड़ता है। अफगानिस्तान में इमारतें आमतौर पर कम ऊंचाई वाली होती हैं।

समाचार सार

गिरिडीह के जंगल में चला सर्च अभियान भारी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद

गिरिडीह: जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के पारसनाथ पर्वत के घने जंगलों में बीते रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर सीआरपीएफ 154 बटालियन और गिरिडीह जिला पुलिस बल की संयुक्त टीम ने नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया।

सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया: अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने मधुबन थाना क्षेत्र के जिरवाबेड़ा जंगल से नक्सलियों द्वारा छिपाए गए कई तरह के सामग्रियों को बरामद किया है। अभियान का नेतृत्व सीआरपीएफ 154 बटालियन के 2आईसी अभिनव आनंद, गिरिडीह एएसपी सुरजीत कुमार कर रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिला पुलिस और सीआरपीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि पारसनाथ पर्वत की तराई में नक्सलियों ने अपने पुराने ठिकानों के आसपास विस्फोटक और अन्य आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले सामान छुपा रखे हैं। सूचना के आधार पर सुरक्षाबलों ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया।

बरामद सभी सामग्रियों को जब्त कर पुलिस जांच में जुट गई: तलाशी के दौरान जिरवाबेड़ा के जंगलों में बने एक बंकर से नक्सली सामग्रियों का बड़ा जखीरा बरामद किया गया। बरामद सामग्रियों में 17 बंडल सुरक्षा फ्यूज (प्रत्येक बंडल 10 मीटर, कुल 170 मीटर), 261 इग्निटर सेट स्लीव, 03 जंग लगे खाली केस, 03 रबर स्टैम्प, 02 पार्टी झंडे, कार्यालय से संबंधित फाइलें और नक्सली साहित्य शामिल हैं। बरामद सभी सामग्रियों को जब्त कर पुलिस जांच में जुट गई है। अभियान में कोबरा बटालियन के गौरव शर्मा, खुखरा थाना प्रभारी निरंजन कच्छप, सीआरपीएफ इंस्पेक्टर ओम प्रकाश वर्मा, हवलदार अनिल पासवान, सुरेश बेसरा सहित बड़ी संख्या में जवान शामिल थे।

मेले का निरीक्षण करने गए पुलिस अधिकारी की पिटाई, अस्पताल में भर्ती

खूंटी : जिले के रनिया थाने के प्रभारी विकास कुमार जायसवाल पर बीते रविवार को एक स्थानीय मेले में नशे में धुत युवकों ने कथित तौर पर हमला कर दिया जिससे उनके सिर में चोटें आईं। पुलिस अधिकारी को नशे में धुत युवकों ने पीटा: यह घटना लोहागढ़ बाजार क्षेत्र में लगे मेले में अपराह्न करीब तीन बजे हुई। टोपरा के अनुमंडल पुलिस अधिकारी क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया, जायसवाल जब मेले का निरीक्षण करने गए थे, तब कुछ लोगों ने उन पर हमला किया और उनकी पिटाई की।'' केरकेट्टा ने बताया कि जब जायसवाल और उनकी टीम मेले में पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि कुछ लोग हड़िया' (स्थानीय चावल से बनी बीयर) बेच रहे थे और कई युवक नशे की हालत में आपस में झगड़ रहे थे। केरकेट्टा ने कहा, यह देखकर, टीम ने हड़िया की बिक्री रोकने और भीड़ को शांत करने के लिए हस्तक्षेप किया, लेकिन नशे में धुत युवकों ने अचानक जायसवाल पर हमला कर दिया।'' अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर मौजूद कांस्टेबलों ने जायसवाल को भीड़ से बचाया और अस्पताल ले गए, जहां उनके सिर में टांके लगाए गए। वहीं, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तोरपा मुख्य सड़क पर हुई सड़क दुर्घटना में विद्युत ट्रांसफार्मर और ऑटो को पहुंचा नुकसान

खूंटी : तोरपा मेन रोड स्थित गुप्ता हार्डवेयर के पास रविवार की सुबह एक ट्रेलर लुढ़ककर 100 केवी के विद्युत ट्रांसफार्मर और एक सवारी ऑटो से टकरा गया। इस घटना में ट्रांसफार्मर और आसपास की एक मोटरसाइकिल गैरेज को काफी नुकसान पहुंचा है।

यह घटना रविवार, 2 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। मौके के प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेलर चालक ने वाहन को मेन रोड पर हैंड ब्रेक लगाकर खड़ा किया और फल खरीदारी के लिए उतर गया। इस दौरान बिना चालक का ट्रेलर लुढ़ककर लगभग 50 मीटर पीछे चला गया और उसने सड़क किनारे लगे विद्युत ट्रांसफार्मर और एक खड़े सवारी ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि विद्युत का पोल और ट्रांसफार्मर सड़क किनारे चल रहे एक झोपड़ीनुमा मोटरसाइकिल गैरेज में जा गिरा। इससे गैरेज की दुकान और वहां खड़ी कई मोटरसाइकिलों को नुकसान पहुंचा है। ऑटो को भी टक्कर में क्षति पहुंची है। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामला दर्ज कर ट्रेलर वाहन को जब्त कर लिया है और थाना ले आई है। घटना के कारणों और पूरे मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय निवासी इस घटना से स्तब्ध हैं। उनका कहना है कि मुख्य सड़क पर इस तरह लापरवाही से वाहन खड़ा करना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने दुर्घटना स्थल के आसपास ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन और ड्राइवरों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की मांग की है।

आज से घाटशिला बनेगा चुनावी रणभूमि मैदान में उतरेगें कई दिग्गज नेता

रांची: घाटशिला विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और विपक्षी दल भाजपा के कई वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे।

9 नवंबर को घाटशिला आ सकते हैं अमित शाह: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार बाबूलाल सोरेन का सोशल मीडिया हैंडल देखने वाले सुधीर कुमार ने बताया कि अगले कुछ दिनों में पार्टी के शीर्ष नेता कई चुनावी रैलियां और रोड शो करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक चंपई सोरेन के सहयोगी कुमार के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पांच नवंबर को, पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी छह नवंबर को, अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती सात नवंबर को और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी आठ नवंबर को प्रचार करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय

गृह मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार के आखिरी दिन नौ नवंबर को घाटशिला आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगले कुछ दिनों में कुछ अन्य केंद्रीय मंत्रियों के भी चुनाव प्रचार के लिए घाटशिला आने की संभावना है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और चंपई सोरेन भी निर्वाचन क्षेत्र में व्यापक प्रचार कर रहे हैं।

आज से मैदान में उतरने वाले हैं हेमंत और कल्पना सोरेन: इस बीच, झामुमो ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी एवं गांडेय सीट से विधायक कल्पना सोरेन द्वारा तीन से आठ नवंबर तक कई रैलियां आयोजित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन घाटशिला उपचुनाव के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के प्रचार अभियान के तहत आज यानी 3 नवंबर से पूर्वी सिंहभूम में रैलियां व रोड शो करेंगे। झामुमो प्रवक्ता कुणाल सारंगी ने बताया कि सोरेन और उनकी पत्नी पार्टी उम्मीदवार सोमेश चंद्र सोरेन के चुनावी प्रचार को गति प्रदान करेंगे। सारंगी ने जोर देकर कहा, ह्यद्वये हमारे स्टार प्रचारक हैं और उनकी मौजूदगी हमारे उम्मीदवार की आसान जीत सुनिश्चित करेगी।'' पार्टी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, झामुमो प्रमुख सोरेन तीन नवंबर को अपराह्न एक बजे मुसाबनी के कुइलिसुता मार्शल मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे जबकि चार नवंबर को गांडेय विधायक कल्पना सोरेन घाटशिला के गालूडीह अंचल मैदान में दोपहर 12 बजे और उसके बाद गुड़ाबांदा के सिंहपुरा जयघंटापुर मैदान में दोपहर ढाई बजे जनसभा को संबोधित करेंगी। मुख्यमंत्री छह नवंबर को दामपाड़ा, सात नवंबर को धालभूमगढ़ और आठ नवंबर को घाटशिला के ताम्र प्रतिभा मैदान में रैलियां करेंगे। कल्पना सोरेन उसी दिन मऊभंडार में एक जनसभा को संबोधित करेंगी और जादूगोड़ा से मुसाबनी तक रोड शो का नेतृत्व करेंगी, जिसमें सिदो-कान्हू चौक, सुरदा क्रॉसिंग और मुसाबनी बस स्टैंड पर नुक्कड़ सभाएं शामिल हैं। बता दें कि पूर्व कैबिनेट मंत्री रामदास सोरेन का 15 अगस्त को निधन होने के कारण यह उपचुनाव आवश्यक हो गया था। दिवंगत नेता के पुत्र और झामुमो के सोमेश चंद्र सोरेन का मुकाबला भाजपा नेता चंपई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन से होगा। संबंधित घटनाक्रम में, भाजपा की झारखंड इकाई के महासचिव और राज्यसभा सदस्य प्रदीप वर्मा ने पूर्वी सिंहभूम भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मोहम्मद एजाज रसूल को पार्टी विरोधी गतिविधियों और पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार करने के लिए निष्कासित कर दिया।

रामप्यारी हॉस्पिटल पहुंचे सुनील सिंह,पूर्व विधायक राम लखन सिंह से मिलकर ली उनके स्वास्थ्य की जानकारी

संवाददाता

रांची: भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने रांची के रामप्यारी हॉस्पिटल पहुंचकर इलाजरत बरही के पूर्व विधायक रामलखन सिंह जी से मिलकर कुशल क्षेम के साथ स्वास्थ्य की जानकारी ली, और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुलाकात के पश्चात सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक राम लखन सिंह भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह के पिताजी हैं। जिनकी रांची के मां रामप्यारी हॉस्पिटल में कुछ दिनों से आईसीयू में इलाज चल रही है। पर अब उनकी स्वास्थ्य काफी अच्छी है। हमने डॉक्टरों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्हें अब कुछ ही दिनों में हॉस्पिटल से घर लाया जाएगा। सुनील सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक जी की स्वास्थ्य अभी काफी बेहतर है। उनसे हमारी काफी अच्छी बातचीत हुई। बातचीत के दरम्यान उनसे पता चला कि शहीद भगत सिंह से एक 1 साल बाद उनकी जन्म हुई है। वे भगत सिंह के विचारों से काफी प्रभावित हैं। वे स्वयं रचित कई पुस्तकें लिखी है। उनके द्वारा जल, जंगल, जमीन के बचाने के लिए काफी संघर्ष किया जाता रहा है। पूर्व विधायक ने बताया कि अभी भी अस्पताल से ठीक होकर घर जाने के पश्चात रसिया और यूक्रेन में हो रहे युद्ध के ऊपर किताब लिखने का कार्य करेंगे। इससे उनके आत्म बल का पता चलता है। साथ हीं उन्होंने बताया कि मैं बिल्कुल ठीक था थोड़ी खान-पान की स्वयं की लापरवाही के वजह से हमारी तबीयत बिगड़ी। मैं थोड़ी दही और केले का सेवन कर लिया जो मुझे इस उम्र में परेशानी का सबब बना। अब मैं खान-पान पर उम्र के हिसाब से परहेज करते हुए विशेष ध्यान रखूंगा। ताकि समाज के लिए और भी योगदान दे सकूं। वहीं सुनील सिंह ने आगे बताया कि राम लखन सिंह हमारे अभिभावक स्वरूप रहे हैं। उनसे हमें काफी प्रेरणा मिलती रही है। काफी संघर्षशील, साहसी, दृढ़ संकल्पित और व्यक्तित्व के धनी हैं। उनकी सामाजिक और राजनीतिक योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने हमेशा जन सेवा को प्राथमिकता दी है। सुनील सिंह के साथ मुलाकात करने वालों में भाजपा नेता नीरज सिंह, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अजय दुबे, सुमित पाठक शामिल थे। उनसब ने कहा कि उनके जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

ट्रैक्टर व कार के बीच हुई टक्कर में चार घायल,6

संवाददाता

खूंटी: जिले के रनिया कोलेबिरा राज्य राजमार्ग तीन पर रविवार की रात ट्रैक्टर और कार के बीच हुई भीषण टक्कर में चार लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना रात करीब 9 बजे रनिया थाना क्षेत्र के उर्मी मोड़ के पास हुई।

जानकारी के अनुसार, तोरपा से मरचा जा रहा ट्रैक्टर एक ट्रक को ओवरटेक कर रहा था। इसी दौरान सामने से डोयंगेर टंगरा टोली से रांची जा रही कार से उसकी सीधी टक्कर हो गई। टक्कर की इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर का इंजन सड़क के बीचों-बीच पलट गया, जिससे यातायात घंटी तक बाधित हो गया।

इस दुर्घटना में दोनों वाहनों में सवार कुल चारों व्यक्ति घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को निकाला और उन्हें उपचार के लिए तोरपा के रेफरल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, सभी घायलों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। कार में सवार लोगों ने पुलिस को बताया कि ट्रैक्टर चालक केवल एक हेडलाइट जलाकर तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था, जिसके चलते सामने से आ रही कार का उसे सही समय पर आभास नहीं हो सका। उन्होंने ट्रैक्टर चालक की लापरवाही को दुर्घटना का मुख्य कारण बताया।

घटना की सूचना पर रनिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने यातायात अवरोध को दूर करने के लिए जेसीबी की मदद से पलटे हुए ट्रैक्टर को साइड करवाया और सड़क को दोबारा यातायात के लिए खोला। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है और मामले में कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

राष्ट्रीय तेली- साहू महासंगठन प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

तेली साहू समाज को सशक्त बनाने पर जोर

फुसरो: राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रविवार को फुसरो में हुई। अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार निलेश व संचालन महामंत्री अरविंद कुमार ने किया। बड़कागांव की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, बिहार प्रदेश अध्यक्ष गोपाल साव, जिप अध्यक्ष सुनीता देवी, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रीना देवी, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रियंका देवी, बोकारो जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता आदि ने दानवीर भामाशाह व कुलदेवी करमा माता के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। बैठक में राज्य के विभिन्न जिलों से पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य समाज को संगठित कर सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रगति के लिए ठोस रणनीति बनाना था।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक ने कहा कि तेली-साहू समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। समाज के लोग व्यापार, शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहे हैं। आज संगठित होकर अपने अधिकार और सम्मान की रक्षा करने की जरूरत है। हर परिवार के बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। संगठन तभी मजबूत होगा, जब हर स्तर पर संवाद और सहयोग बढ़ेगा। युवा राजनीति, प्रशासन और व्यापार के क्षेत्र में अपनी भूमिका निभाएं। आने वाले समय में शिक्षा सहायता कोष, महिला स्वयं सहायता समूह और युवा प्रोत्साहन कार्यक्रम जैसे अभियान चलाये जायेंगे।

गर्भवती महिला की मौत, डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

हजारीबाग: जिले में एक गर्भवती महिला की कथित तौर पर एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। यह घटना राज्य के एक सरकारी अस्पताल में सिजेरियन ऑपरेशन से पहले महिला के फिसलकर गिरने के कुछ समय बाद हुई। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। फुटबोर्ड पर पैर फिसलने से गिरी महिला: महिला के परिवार के सदस्य शव को हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसबीएमसीएच) में वापस ले आए और मुआवजे की मांग की। हजारीबाग जिले के सिविल सर्जन डॉ। अशोक कुमार ने बताया कि डॉक्टर और सहायक नर्स एवं दाई (एएनएम) शनिवार सुबह स्त्री रोग वार्ड में बबली देवी (40) के प्रसव की तैयारी कर रहे थे। पीड़िता जब प्रसव कक्ष में बिस्तर से उतर रही थी, तो नीचे रखे फुटबोर्ड पर पैर रखते ही वह फिसलकर गिर गई।

कुमार ने कहा, हालांकि उस समय वह ठीक थी, लेकिन परिवार के सदस्यों की एक परिचित एएनएम ने उन्हें बताया कि उसे एक निजी नर्सिंग होम में ले जाना चाहिए। हालांकि हमने उनसे बार-बार आग्रह किया था कि इस समय कहीं न जाएं, फिर भी वे अस्पताल छोड़कर कहीं और चले गए, जहां उसकी मौत हो गई।'' परिजनों ने की मुआवजे की मांग: सिविल सर्जन ने बताया कि जब वे शव लेकर नर्सिंग होम से घर लौट रहे थे तो एएनएम ने उन्हें दोबारा अस्पताल आने के लिए मना लिया ताकि शुरूआती इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर उन्हें अपने नुकसान की भरपाई मिल सके। कुमार ने बताया कि रात लगभग साढ़े दस बजे वे महिला के शव को वापस अस्पताल ले आए और मुआवजे की मांग करते हुए प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने कहा, हमने मृतका का पोस्टमार्टम कराने में उनका सहयोग मांगा ताकि उसकी मौत का सही कारण पता चल सके और परिवार को मृत्यु प्रमाण पत्र सौंपा जा सके।'' अधिकारी ने बताया कि हालांकि, वे रविवार तड़के चार से साढ़े चार बजे के बीच अधिकारियों को सूचित किए बिना अस्पताल से चले गए। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। एसबीएमसीएच के अधीक्षक डॉ एके पूर्ति ने परिवार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे मरीज को अस्पताल के बाहर एक जगह ले गए थे, जहां उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि जांच के लिए सोमवार को वरिष्ठ चिकित्सकों की एक समिति गठित की जाएगी।

सदगुरु सदाफल देव आश्रम में लगे शिविर में 61 लोगों ने किया रक्तदान

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल स्थित सदगुरु सदाफल देव आश्रम में रविवार को संत प्रवर श्री विज्ञान देव के जन्मोत्सव पर रक्तदान शिविर लगाया गया। मेदांता हॉस्पिटल और केएम मेमोरियल हॉस्पिटल चास के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस शिविर में 61 लोगों ने रक्तदान किया।

इससे पहले शिविर का उद्घाटन डीवीसी के डीजीएम काली चरण शर्मा, मेदांता हॉस्पिटल इरबा रांची के डॉ प्रदीप सिंह, आश्रम के संयोजक आनंद केसरी व केपी सिंह ने किया। श्री शर्मा ने कहा कि रक्तदान कर किसी की जिंदगी बचा सकते हैं। रक्तदान करने से शरीर भी स्वस्थ रहता है। अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान करना चाहिए। अंजली कुमारी, ममता कुमारी, आनंद कुमार, शहनवाज, बिनोद कुमार, डॉ राजेंद्र प्रसाद, हेमंत कुमार, बादल तुरी व बरनाली ने रक्त संग्रह में योगदान दिया। मौके पर विहंगम योग के संयोजक आनंद केसरी, कोषाध्यक्ष रमेश ठाकुर, केपी सिंह, बिंदा राम, परमेश्वर नायक, मधु क्षत्री खत्री, मनोज साव, मंटू गुप्ता, दीपक महतो, सुरेश यादव व अन्य थे।

विधि व्यवस्था का निरीक्षण करने देर रात रांची की सड़कों पर निकले एसएसपी

काम में लापरवाही बरतने को लेकर ओरमांझी और पिठोरिया थाना प्रभारी से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता

रांची : रांची के एसएसपी राकेश रंजन रविवार की देर रात राजधानी की विधि व्यवस्था का निरीक्षण करने सड़कों पर निकले। उनके इस औचक निरीक्षण की खबर किसी भी पुलिस अधिकारी या कर्मी को पहले से नहीं थी। निरीक्षण के दौरान कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में एसएसपी ने ओरमांझी और पिठोरिया थाना प्रभारी से स्पष्टीकरण मांगा है।

एसएसपी रंजन ने बिरसा चौक, मेन रोड, हरमू, बायपास रोड और अरगोड़ा चौक सहित शहर के कई महत्वपूर्ण इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से सीधे संवाद किया।

उन्होंने उनसे वाहनों की चेकिंग और पुलिस बल की तैनाती के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही, उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी राकेश रंजन ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि अपराधी चाहे कितना भी बड़ा हो या उसे किसी भी प्रभावशाली समूह का संरक्षण क्यों न मिला हो, पुलिस को बिना किसी दबाव के उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को बिना किसी दबाव के कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शहर में सुरक्षा और शांति बनी रहे।

झारखंड हाईकोर्ट में लगा ब्लड डोनेशन कैंप

मेट्रो रेज

रांची: आज झारखंड उच्च न्यायालय एवं थैलेसीमिया सोसायटी के साथ- साथ सदर अस्पताल एवं एडवोकेट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान एवं सभी न्यायमूर्तिगण ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर रक्तदान करने के लिए बड़ी संख्या में अधिवक्ता, उच्च न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी के साथ साथ पुलिस के जवान भी उपस्थित थे। विशेष तौर पर आज रक्त दान करने एवं उपस्थित स्वैच्छिक रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए माननीय मुख्य न्यायमूर्ति एवं अन्य न्यायमूर्ति गण की धर्म पत्नी ने भी रक्तदान किया।

रांची में दो थाना प्रभारी समेत सात इंस्पेक्टर व सब इंस्पेक्टर का तबादला

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची में पुलिस विभाग ने प्रशासनिक स्तर पर बड़ा बदलाव किया है। शहर के कई थाना प्रभारियों और अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। इस सूची में कुल पांच इंस्पेक्टर और दो सब-इंस्पेक्टर शामिल हैं। जारी आदेश के अनुसार, इंस्पेक्टर अशोक कुमार को सुखदेव नगर थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि इंस्पेक्टर असित कुमार मोदी को सदर पश्चिमी का सर्किल इंस्पेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं, इंस्पेक्टर जयप्रकाश राणा को मांडर सर्किल इंस्पेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा इंस्पेक्टर के। के। साहू को डायल 112 का प्रभारी बनाया गया है। साथ ही इंस्पेक्टर सुशील कुमार को यातायात थाना प्रभारी कोतवाली (चुटिया) के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, सब-इंस्पेक्टर नवीन कुमार को सिल्ली थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है और सब-इंस्पेक्टर दिनेश कुमार को झारखंड हाई कोर्ट सुरक्षा का दायित्व दिया गया है।

चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के हटते ही ठंड ने दी दस्तक

हिमालय की ठंडी हवाओं ने प्रदेश में दी दस्तक, बढ़ाई कनकनी, दो-तीन दिन में और गिरेगा पारा

संवाददाता

रांची: झारखंड में चक्रवाती तूफान 'मोंथा'का प्रभाव अब लगभग समाप्त हो चुका है। पिछले तीन दिनों से राज्य में लगातार बारिश हो रही थी, लेकिन अब बारिश के बादल छंट चुके हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि आज यानी 3 नवंबर से रांची और आसपास का आसमान पूरी तरह साफ हो जाएगा। वहीं, अगले सात दिनों तक सुबह के समय धुंध और कोहरा सामान्य रहेगा।

दिन के समय धूप खिली रहेगी और शाम को ठंड बढ़ने लगेगी और लोग गर्म कपड़ों का सहारा लेंगे। पिछले 24 घंटों में राज्य के बड़े जिलों में बारिश नहीं हुई है। साथ ही, शाम को ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आएगी। मौसम विभाग ने संभावना जताया है कि आने वाले दिनों में झारखंड में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की और गिरावट हो सकती है, जिससे ठंड के मौसम की औपचारिक शुरूआत मानी जाएगी।

पिछले पांच वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो नवंबर के महीने में ठंड में तेज वृद्धि हुई है। वर्ष 2020 में 1 नवंबर को न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था, जो उस वर्ष का सबसे कम तापमान था। वर्ष 2024 में भी 1 नवंबर को न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा था, जिससे ठंड का असर जल्दी दिखा था। अगले कुछ दिन झारखंड में ठंडक बढ़ने के संकेत हैं। इस दौरान सुबह के समय धुंध और शाम को ठंडी हवाओं के साथ ठंड में वृद्धि अनुभव की जाएगी। इस मौसम में गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करना आवश्यक हो गया है।

झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स की बैठक संपन्न

झारखंड फिल्म आयोग नीति को लागू करने पर चर्चा

संवाददाता

रांची : झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स की फिल्म आर्ट एवं संस्कृति उप समिति और स्वच्छ भारत पौधरोपण समिति की बैठक चेंबर भवन में उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया की अध्यक्षता में हुई जिसके अंतर्गत कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई । बैठक में झारखंड फिल्म आयोग नीति लागू करने पर चर्चा की गई । जिससे कि झारखंड में स्थानीय भाषा की फिल्मों को बढ़ावा मिल सके। वहीं दूसरी तरफ रांची नगर निगम से व्यावसायिक क्षेत्र में शौचालय बनवाने की मांग की गई । जिससे कि सड़क साफ सुथरा रह सके । चेंबर वन के लिए वन विभाग और सरकार से जगह उपलब्ध कराने की भी चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा भी उपस्थित थे । उन्होंने भी अपने कई सुझाव दिए । इस मौके पर झारखंड चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा , उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया , उप समिति के चेयरमैन आनंद जालान ,चेयरमैन किशन अग्रवाल, बॉलीवुड एक्टर देवेश खान, रवि दत्त,पत्रकार सह यूट्यूबर बुलंद अख्तर,प्रोड्यूसर कबीर उल्लाह कबीर, आरजे क्रिएटिव प्रोडक्शन कास्टिंग डायरेक्टर एण्ड लाइन प्रोड्यूसर रंजीत जोहरी , प्रदीपजी राजू सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कोटशीला में जयराम की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब

निशाने पर रहे बड़े दादा व कुड़मी नेता

संवाददाता

सिल्ली: रविवार को पश्चिम बंगाल पुरुलिया जिला के कोटशीला में आयोजित जनसभा में जयराम का सुनने और देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी, जयराम महतो ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह हम झारखंड में जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं इसी तरह जंगल महल में माई, माटी, मानुष की रक्षा के लिए लड़ाई लड़नी है। छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट लागू करने के लिए सबसे बड़ा क्रांति बंगाल में हुआ था इसलिए यह एक्ट झारखंड की तरह यहां भी लागू होना चाहिए।

श्री महतो ने कहा कि दीदी का ध्यान केवल कोलकाता महानगर में है दीदी का ध्यान इतनी बड़ी आबादी वाले क्षेत्र जंगल महल में होता तो यहां उद्योग लगता। बैगर उद्योग लगे जंगल महल क्षेत्र का विकास संभव नहीं है।

जयराम ने इशारे ही इशारों में आजसू सुप्रीमो पर साधा निशाना: जयराम महतो ने इशारे ही इशारों में आजसु सुप्रीमो सुदेश महतो का नाम लिए बगैर निशान साधते हुए कहा हर किसी के लिए समाज सर्वपरि है। सामाजिक रूप से सुप्रीमो हमारा बड़े दादा है लेकिन वैचारिक मतभेद अलग-अलग है जब बड़े दादा सत्ता में थे तो उन्हें केवल विष्णु भगवान के लिए सोचा सोचा समाज के लिए नही। कुड़मी समुदाय को पुनः अनुसूचित जाति में सूचीबद्ध करने की मांग को लेकर रेल रोको आंदोलन 2018 से 2023 तक चल रहा है कभी नही दिखें और जब सत्ता से बेदखल हो गए तो अचानक 2025 में रेल पटरी पर दिखें। उन्होंने कुड़मी नेता अजित महतो को लेकर कहा कि अजित महतो हमारा अभिभावक है उनकी उम्र 75 वर्ष और हमारा 32 बर्ष। सिल्ली के बड़े दादा के बहकावे में आकर मेरे लिए अना आवश्यक टीका टिप्पणी करते हैं। अकेला विधायक हूं जो कुड़माली में शपथ लियाः बंगाल में आधा दर्जन विधायक व एक सांसद है और झारखंड में आधा दर्जन विधायक और एक सांसद है जिसमें अकेला विधायक हूं जो कुड़माली में शपथ लिया हूं। जनसभा का नेतृत्व बंगाल के चुनाव प्रभारी लगाम निवासी राजू महतो और सुंडील निवासी निवेदिता महतो ने किया।

युवक ने की आत्महत्या

खूंटी : तोरपा थाना क्षेत्र के एनएचपीसी कॉलोनी में रहने वाले हेरमन मुंडू नामक 18 वर्षीय युवक की बॉडी उसके ही घर पर फंदे से लटकी मली। फंदा गमछा का बनाया गया था। घटना बीती देर रात की है। वारदात की सूचना मिलने पर सोमवार की सुबह तोरपा थाना के एसआई अमरेंद्र कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली। शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए खूंटी के सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार मूल रूप से मुरहू थाना क्षेत्र के ओसकेया गांव के रहने वाला हेरमन मुंडू पिछले 10-12 वर्षों से अपने पिता स्टीफन मुंडू और सौतेली मां के साथ रहता था। कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने बताया कि हेरमन को नशे की लत थी। वह शराब के नशे में अपनी मां और पिता से अक्सर लड़ाई- झगड़ा करता था।। रविवार की रात को भी उसने शराब पी कर मां- बाप से लड़ाई की थी।

14 दिनों से निकल रही प्रभात फेरी का समापन

संवाददाता

रांची: गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा मेन रोड की ओर से विभिन्न गुरुद्वारा साहिब से पिछले 14 दिनों से निकल रही प्रभात फेरियों का रविवार को गुरुद्वारा साहिब मेन रोड में समापन हुआ। गुरुद्वारा साहिब मेन रोड की प्रभात फेरी सुबह साढ़े चार बजे गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर अपर बाजार सरदार इंदरजीत सिंह द गलेरिया, सरदार अमर सिंह, जे प्रकाश, शशि रानी के घर से होते हुए नागा बाबा खटाल, खालसा इंटरप्राइजेज अमरजीत सिंह, दविंदर सिंह, तारा हैंडलूम स्वर्गीय करम सिंह के घर से होते हुए नागा बाबा खटाल गया। गुरुद्वारा की प्रभात फेरियों से मिलकर मेन रोड गुरुद्वारा पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। गुरुद्वारा साहिब के हुजूरी रागी जत्था की ओर से गुरु

जी की बाणी का कीर्तन किया गया। हैड ग्रंथी भाई विक्रम सिंह की ओर से सरबत के भले की अरदास कर दीवान की समाप्ति की गयी। गुरुद्वारा साहिब के महासचिव गगनदीप सिंह सेठी की ओर से सभी का धन्यवाद किया गया। प्रभात फेरी में अध्यक्ष गुरमीत सिंह, सुरजीत सिंह, गुरदीप सिंह, सरदार ध्यान सिंह, किरपाल सिंह, तविंदर सिंह, राजिंदर सिंह, हरपाल सिंह, जसपाल सिंह महिंदर, विनोद, मनप्रीत सिंह, नोनिहाल सिंह, कुलजीत सिंह, सचदीप सिंह, मलकियत सिंह, सतपाल सिंह, रणबीर सिंह, हरदीप सिंह, कुलतार सिंह, हरजीत सिंह, मेजर गुरदयाल सिंह, जसबीर सिंह, स्वर्णजीत सिंह, भूपिंदर सिंह, गुरचरण सिंह, हरमीत सिंह, मनमीत सिंह, मनीष मिढ़ा, अर्जुन मिढ़ा, हरगोबिंद मिढ़ा व अन्य शामिल थे।

ईडी ने बढ़ाई सब इंस्पेक्टर मीरा सिंह की मुश्किलें

मीरा सिंह के खिलाफ सरकार व आयकर से कार्रवाई की अनुशंसा

मेट्रो रेज

रांची: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य सरकार व आयकर विभाग से सब इंस्पेक्टर मीरा सिंह के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा की है। इडी ने जांच में मीरा सिंह के खिलाफ मिले तथ्यों को पीएमएलए की धारा 66(2) के तहत राज्य सरकार व आयकर विभाग से साझा किया है। ईडी ने सरकार से इस पुलिस अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। आयकर विभाग को भी मामले की जांच कर आयकर अधिनियम की धाराओं के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की है।

सरकार व आयकर को भेजी गयी रिपोर्ट में कहा गया है कि छापामारी के दौरान मीरा सिंह व उससे जुड़े लोगों के ठिकानों से नाजायज तरीके से पैसा कमाने

और संपत्ति अर्जित करने से संबंधित सबूत मिले हैं। जांच में पाया गया कि इस पुलिस अधिकारी ने अपने पद का दुरूपयोग कर नाजायज तरीके से पैसे कमाये। उसने अपनी नाजायज कमाई को जायज साबित करने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाये। इन हथकंडों में लोगों से बिना सूद व गारंटी के कर्ज लेने सहित कई तरीके शामिल है।

अपनी नाजायज कमाई को सही साबित करने के लिए उसने अपने पति प्रीतम कुमार को सब्जी का व्यापारी बनाया। इसके लिए फर्जी दस्तावेज के सहारे प्रीतम कुमार को भागलपुर में सब्जी मंडी को थोक व्यापारी दिखाया गाया। हालांकि, पूछताछ के दौरान प्रीतम कुमार किराये पर लिये गये दुकान के मालिक और किसी एक आदमी का नाम नहीं बता सका जिससे वह सब्जी खरीदता या बेचता था।

मीरा सिंह ने अपनी काली कमाई को छिपाने के लिए लाल मोहित नाथ शाहदेव से बिना सूद के 2.30 लाख रुपये कर्ज लेने का दावा किया। हालांकि जांच के दौरान यह बात गलत पायी गयी। मीरा सिंह के ठिकानों पर छापामारी के दौरान उसके नौ मोबाईल जब्त किये गये। मोबाईल में पैसों के लेनदेन से संबंधित वाट्सएप चैट मिले। इसमें अंशु कुमारी के खाते में रुपया जमा करने से संबंधित रसीद सहित कोड वर्ड में लिखे अंक जैसे 1, 2, 3, 4 पाये गये। इस तरह के कोर्ड वर्ड मैसेज हटिया के संजीव नामक व्यक्ति की ओर से भेजे गये थे। इसके अलावा एक लाख देना है जैसे चैट पाये गये।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

आरएसएस पर रोक

भारत का राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर वैचारिक बहस के केंद्र में है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल का हवाला दिया, जिससे देशभर में राजनीतिक हलचल देखी गई । गृह मंत्री अमित शाह ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी ओर कहा, आरएसएस दुनिया की सबसे बड़ी स्वयंसेवी संस्था है, जिसने करोड़ों युवाओं को राष्ट्रसेवा और समाज निर्माण की दिशा दिखाई है। वस्तुतः खरगे का बयान ऐसे समय आया है जब बिहार विधानसभा चुनाव अपने निर्णायक दौर में हैं। कांग्रेस का यह कदम चुनावी राजनीति के संदर्भ में समझा जा रहा है। वह चुनावी लाभ के लिए आरएसएस के बहाने भाजपा को चुनावी सफलता से दूर रखना चाहती है। यदि इतिहास में जाकर इस मामले की समीक्षा करें तो स?थि?ति स?वतः ही पूरी तरह से स?पष?ट हो जाती है। आरएसएस पर प्रतिबंधों का इतिहास यह है कि संगठन पर स्वतंत्र भारत में अब तक तीन बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है और दो बार कांग्रेस की सरकार के दौरान वापस भी लिया गया। तथ्य यह है कि पहला प्रतिबंध 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगा। नाथूराम गोडसे के संघ से जुड़ाव के संदेह के आधार पर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने संगठन को बैन किया। करीब 17,000 स्वयंसेवक जेल भेजे गए और संघ की शाखाएँ बंद कर दी गईं। किंतु बाद में जांच में यह स्पष्ट हुआ कि गांधीजी की हत्या में संघ का कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हाथ नहीं। सरदार पटेल ने स्वयं 27 फरवरी 1948 को जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखकर स्वीकार किया कि ह्लगांधी हत्या के आरोपों में से 90 प्रतिशत अटकलों और झूठी बातों पर आधारित हैं।ह्व बाद में जुलाई 1949 में सरकार ने बिना किसी शर्त के संघ से प्रतिबंध हटा लिया। स्वयं पटेल ने लिखा, ह्लसंघ पर से प्रतिबंध हटने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता है।ह्व यह तथ्य कांग्रेस के उस दावे को कमजोर करता है, जिसके आधार पर आज फिर से संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात कही जा रही है। दूसरा प्रतिबंध 1975 में आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी सरकार ने लगाया। उस समय संघ लोकतंत्र बहाली के लिए विपक्ष के साथ खड़ा था। 21 महीनों तक हजारों स्वयंसेवक जेलों में रहे, लेकिन जब जनता ने 1977 में इंदिरा सरकार को सत्ता से बाहर किया, तो संघ का जनाधार पहले से कहीं अधिक मजबूत होकर उभरा। तीसरा प्रतिबंध दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद लगा। लेकिन अदालतों में सरकार संघ के खिलाफ कोई ठोस प्रमाण नहीं रख सकी। कुछ महीनों में यह प्रतिबंध भी हट गया। इन तीनों घटनाओं ने एक बात स?पष?ट कर दी कि प्रतिबंध संघ को कमजोर नहीं कर सकते, क?योंकि वह कोई ऐसा कार्य नहीं करता जिससे भारतीय संविधान का उल्लंघन होता है।

सरदार पटेल और संघ का वास्तविक संबंध

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सरदार पटेल का हवाला देकर संघ के खिलाफ बयान दिया, लेकिन इतिहास इसके विपरीत गवाही देता है। पटेल और संघ के तत्कालीन सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के बीच संवाद कायम था। 16 जुलाई 1949 को पटेल ने वेंकटराम शास्त्री को पत्र लिखकर कहा था, ह्लमैं स्वयं प्रतिबंध हटाने के पक्ष में था।ह्व संघ से प्रतिबंध हटने के बाद उन्होंने गुरुजी को पत्र लिखकर अपनी खुशी प्रकट की। यह वही पटेल हैं जिन्होंने सलाह दी थी कि ह्लयदि आरएसएस को लगता है कि कांग्रेस गलत दिशा में जा रही है, तो सुधार का रास्ता भीतर से निकालिए, विरोध से नहीं। इस संवादशील दृष्टिकोण से स्पष्ट है कि भारत के पहले गृहमंत्री सरदार वल?लभभाई पटेल संघ के राष्ट्रसेवी चरित्र को समझते थे, भले ही विचारों में मतभेद रहे हों। ऐसे में आज जब कांग्रेस उन?हीं पटेल का नाम लेकर संघ पर प्रतिबंध की मांग करती है, तो यह ऐतिहासिक तथ्यों के आधे-अधूरे उपयोग का उदाहरण बन जाता है। ऐसा लगता है जैसे वह देश की जनता को गुमराह कर रही है। आरएसएस का कार्यक्षेत्र राजनीति से परे समाज के बीच सेवा के रूप से व?यापक तौर पर फैला हुआ है। शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता में संघ का योगदान बहुत विस?तारित है। 1962 के चीन युद्ध में स्वयंसेवकों ने सीमाओं पर सैनिकों की मदद की और इसी सेवा भाव से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में संघ को भाग लेने का निमंत्रण दिया। यह तथ्य आज के राजनीतिक विवादों के बीच अक्सर भुला दिया जाता है। सीधे तौर पर जो दिखाई दे रहा है, वह यही है कि कांग्रेस को भय है कि संघ की बढ़ती सामाजिक स्वीकार्यता उसकी पारंपरिक वोटबैंक राजनीति के लिए चुनौती है। उसे लगता है कि वह तमाम जाति भेद उभारने, एक वर्ग विशेष को लेकर तुष?टीकरण करने के बाद भी यदि सफल नहीं हो पा रही है तो इसके लिए कहीं न कहीं आरएसएस के स?वयंसेवक जिम?मेदार हैं, जो हर परिस?थि?ति में भारत के जन की एकता पर जोर देते हैं। इसलिए समय-समय पर आरएसएस पर प्रतिबंध या उसकी आलोचना कांग्रेस के लिए वैचारिक एकजुटता का साधन बन जाती है। किंतु इस सब के बीच एतिहासिक तथ?य यही कहते हैं कि ऐसे हर प्रयास जो संघ को रोकने के लिए किए जाते हैं, उसमें हर स?तर पर आरएसएस और सशक्त होकर ही सभी के सामने आया है। यहां आरएसएस के सहकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के कहे शब्दों पर भी गौर करना सही होगा, उन?होंने खरगे की मांग को अवास्तविक और इतिहासविहीनह्व बताया है। उनका साफ कहना है कि किसी संगठन पर प्रतिबंध केवल इच्छा या असहमति के आधार पर नहीं लगाया जा सकता। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) जैसे कानूनों के तहत तभी कार्रवाई संभव है जब संगठन हिंसा, आतंक या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल पाया जाए। संघ के मामले में ऐसा कोई आरोप या सबूत नहीं है। संघ के संदर्भ में समाज और न्यायपालिका दोनों ने पहले भी इस तरह के प्रतिबंधों को गलत माना है। वास्तव में, संघ अब केवल संगठन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का पर्याय बन चुका है। 1948, 1975 और 1992 के प्रतिबंध इस तथ्य के साक्ष्य हैं कि आरएसएस को दबाने की कोशिशें हर बार विफल हुईं। अतः मल्लिकार्जुन खरगे का बयान सही तथ?यों पर आधारित नहीं है, वह एक राजनेता हैं और यहां भी सिर्फ वे अपने लाभ के लिए स?वार्थ की राजनीति ही कर रहे हैं। क?योंकि सरदार पटेल ने कहा था, ह्लसंघ को कांग्रेस से मतभेद हो सकता है, पर उसका देशभक्ति से कोई विरोध नहीं।ह्व यह वाक्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना साल 1949 में था। उन?हें यह समझना होगा कि राजनीति में असहमति आवश्यक है, पर राष्ट्रसेवा के भाव को संदेह के घेरे में रखना लोकतांत्रिक चेतना के विपरीत है। कहना होगा कि संघ से असहमति रखने का अधिकार सबको है लेकिन उसके योगदान को नकारना इतिहास की सच्चाई से आँखें मूँद लेने जैसा होगा। संघ का मूल विचार यही है, ह्लदेश हमें देता है सब कुछ, हम भी तो कुछ देना सीखें।

ज्ञान के प्रकाश से समाप्त होती है माया

जीवन के बारे में अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, लेकिन कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता। शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है।

हृदयनारायण दीक्षित

जीवन प्रकृति का उपहार है। कोई जन्म लेता है। जन्मा शिशु हंसता है। हाथ-पैर चलाता है। परिवार छोटे बच्चों को बढ़ता हुआ देखकर प्रसन्न होता है। फिर आती है जीवन की चुनौतियां। दुख आते हैं। सुख आते हैं। वे बारी-बारी से आते-जाते हैं। परिवार बढ़ता है। वह वृहत्तर समाज का अंग हो जाता है। वह जैसा चाहता है, वैसा नहीं होता तो उसे दुख होता है। दुख और सुख आते-जाते हैं। दुख स्वयं निरपेक्ष नहीं है। दुख-सुख का अभाव है। दुख का मुख्य कारण आसक्ति है। माना जाता है, माया मोह में फंसकर व्यक्ति दुखी रहता है। बुद्ध ने माया को ही समस्या का जड़ माना है। शब्द ह्लमायाह्ल लोक जीवन में बहुत चलता है। संसार के प्रति आसक्ति के लिए भी ह्लमायाह्ल शब्द का प्रयोग होता है। तब उसे माया मोह कहते हैं। संसार को कागज की पुड़िया बताने वाले संत कबीर भी माया को ठगनी बताते हैं। एक पूरी सभ्यता को ही ह्लमाया सभ्यताह्ल कहा जाता है। माया सभ्यता मध्य अमेरिका के दक्षिणी मेक्सिको से लेकर ग्वाटेमाला बेलीज पश्चिमी होंडुरस और एल साल्वाडोर तक फैली हुई थी ऋग्वेद में एक शब्द आया है ह्लऋभुह्ल। ऋभु कारीगर हैं। एक मंत्र के अनुवाद में ऋभुओं द्वारा बहुत सुंदर स्थापत्य बनाने की प्रशंसा की गई है। माया किसी ने किसी रूप में भारत के मन में बहुत गहराई से बैठी हुई प्रतीत होती है। तुलसीदास भी सांसारिक दुखों का कारण माया बताते हैं। माया प्रभावित जीव दुखी रहते हैं। माया संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ है- जो नहीं है, अर्थात हमारे इन्द्रियबोध को धोखा देने वाला। अद्वैत दर्शन में माया की धारणा बहुत महत्वपूर्ण है। यह सत्य सुव्यवस्थित है कि परमार्थतः ब्रह्म ही एकमात्र सत है। ब्रह्म एक निर्गुण निर्विकार भेदरहित सत्ता है। ब्रह्म से अलग कुछ भी नहीं। बाकी सब मिथ्या है। लेकिन सांसारिक जीवन में कुछ जिज्ञासाएं भी चला करती हैं। ब्रह्म की सत्ता पर पूर्ण विश्वास न करने वाले विद्वान कहते हैं कि सांसारिक जीव ऐसा अनुभव नहीं करते। उनके अनुसार जगत में उन्हें जगत जीव प्रपंच के अनुभव दिखाई पड़ते हैं। वैसे भी विद्वतजनों में मतभेद बने रहना स्वाभाविक है। मूलभूत प्रश्न है कि इस संसार के सारे प्रपंच और ब्रह्म से उनके सम्बंध क्या हैं? संसार में जैव विविधता है। मत भिन्नता भी है। जीवन के बारे में अनेक दृष्टिकोण हैं। कुछ मानते हैं कि यह जीवन और जगत किसी सर्वशक्तिशाली परम शक्ति के द्वारा दिया गया है। उसे ईश्वर की संज्ञा दी गई है, लेकिन कुछ ऐसे चिंतक विचारक भी हैं, जो जीवन जगत के लिए प्रकृति की शक्तियों पर निर्भर हैं। अद्वैत वेदांत में केवल ब्रह्म को ही माना गया है। उनका ब्रह्म संसार नहीं बनाता। शंकराचार्य ने ब्रह्म को मात्र एक पारमार्थिक सत्ता बताया है। फिर प्रत्यक्ष संसार की गतिविधियों का रहस्य क्या है? प्रत्यक्ष भौतिक जगत को माया रूप देखना तथ्यगत नहीं जान पड़ता। शंकराचार्य के अनुसार माया भावात्मक है। अविद्या अभावात्मक है। सुर नर मुनि भी माया के पाश में बंधे रहते हैं। माया में प्रतिबिंबित ब्रह्म ईश्वर है, किंतु विद्या में प्रतिबिंब ब्रह्म जीव है। माया ईश्वर को भी प्रभावित करती है, जबकि अविद्या जीव को प्रभावित करती है। अविद्या त्रिगुणात्मक है। अज्ञान, अव्यक्त, अनिर्वचनीय, भ्रांति आदि शब्द एक जैसे हैं। इस तरह माया जड़ है और अपनी सत्ता के लिए ब्रह्म पर आश्रित है। उपनिषदों में विद्या और अविद्या शब्द आए हैं। कुछ विद्वान मानते हैं कि आसक्ति के कारण यह संसार खूबसूरत दिखाई पड़ता है। दुख आने पर यह संसार वैसा नहीं दिखाई पड़ता जैसा हम सोचते हैं। दर्शन में ऐसे प्रश्नों पर गंभीर विचार हुआ है। प्रश्न है कि, यह विश्व किस तरह अस्तित्व में आया? क्या इसे किसी ने बनाया है? क्या यह सदा से है? अगर किसी देव शक्ति ने बनाया है, तो इस रचना के पहले कुछ तो रहा ही होगा? कोई वस्तु पदार्थ अथवा अणु परमाणु शून्य से नहीं पैदा हो सकते। वैदिक काल से लेकर उपनिषद काल तक यह धारणा रही है कि ईश्वर शासक नहीं है। वह करुणानिधान है। वह सर्वशक्तिमान सत्ता है। जो समस्या भारत में ऋषियों के सामने थी, वही समस्या यूनानी दार्शनिकों के मध्य विचारणीय थी। शंकराचार्य ने स्वयं कहा है कि माया और अविद्या में कोई भेद नहीं है। सांख्य दर्शन द्वैतवादी है। शंकराचार्य ने सांख्य दर्शन के द्वैतवाद का खंडन किया है और सांख्य के पुरुष तत्व को ब्रह्म या आत्मा का आसन दिया। माया अनादि है, लेकिन अनंत नहीं है। माया की शुरूआत कब हुई पता नहीं। अनादि और अनंत में फर्क होते हैं। अनादि वह तत्व है जो सदा से है और अनंत का अर्थ, जिसका अंतिम छोर पता नहीं। शंकराचार्य के अनुसार माया ज्ञान के सामने नहीं बचती। अनादि होकर भी अनंत न होना स्वाभाविक है। वस्तुतः माया ज्ञान प्रकाश मिलते ही समाप्त हो जाती है। माया अजर-अमर नहीं है। वह ज्ञान से बाधित है। माया ज्ञान के समक्ष नहीं बच पाती। यह अभावात्मक भी नहीं है। यदि यह केवल अभाव रूप होती तो इससे सृष्टि का उद्भव असंभव होता। संसार भ्रम से भरा पूरा है। इस तरह माया सत नहीं है। ब्रह्म से स्वतंत्र उसकी कोई सत्ता नहीं है। माया को सत या असत नहीं कहा जा सकता। माया सत नहीं है। यह यथार्थ ज्ञान से तिरोहित हो जाती है। माया की कोई स्वतंत्र सत्ता नहीं है। वह असत भी नहीं है। वह जगत को आरोपित करती है। इसी तरह का माया जैसा एक आंतरिक अनुभव अध्यास है, जो वस्तु नहीं है। उसका अनुभव करना अध्यास है। माया भी ऐसी है। जिस प्रकार रस्सी को सांप समझने तक सत्य का पता नहीं चलता। वहां सांप वास्तव में नहीं होता, लेकिन अध्यास के कारण वह प्रभावी रहता है। माया का आश्रय ब्रह्म है। माया ब्रह्म में रहती है और संसार के आविर्भाव के लिए ब्रह्म को ही अपना विषय बनाती है। अपने सारे काम करते हुए वह प्रभावित नहीं होती। ब्रह्म भी प्रभावित नहीं होता। माया और अध्यास एक जैसे दिखाई पड़ते हैं, मगर हैं नहीं। माया संसार रचती है। अध्यास के तीन घटक बताए गए हैं। अधिष्ठान, अध्यस्त, अध्यस्त वस्तु और आरोप। यहां अधिष्ठान वह तत्व है जो अध्यास काल में उपस्थित है। शंकराचार्य के अनुसार अध्यास का कारण अविद्या है। अविद्या का मतलब अज्ञान नहीं होता। विद्या और अविद्या शब्द उपनिषदों से आए हैं। अविद्या का अर्थ है प्रत्यक्ष संसार की वस्तुओं और आचार विचार की सारी कार्यवाहियों का ज्ञान और विद्या का मतलब है परम तत्व का ज्ञान। ईशावास्योपनिषद के एक मंत्र में कहते हैं कि जो विद्या के उपासक हैं, वे अंधलोकों में जाएंगे और जो विद्या के उपासक हैं। वे भी अंधलोकों में जाएंगे। सांसारिक ज्ञान अविद्या है। अविद्या और विद्या आध्यात्मिक ज्ञान है। साधक दोनों की जानकारी के लिए उपासना करें। अविद्या से जुड़े होने के कारण अध्यस्त के गुण दोष का कोई प्रभाव अधिष्ठान पर नहीं पड़ता।

अमेरिका में एक भारतीय नारी का साहस

गूगल के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण और आईबीएम जैसी कंपनियों में शीर्ष नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय प्रतिभा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। इसलिए ही बुद्धि कौशल के मामले में सबसे अधिक भारतीयों की डिमांड वहां रहती है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिका की धरती आज जिस रूप में एक वैश्विक अवसरों की भूमि के रूप में जानी जाती है, उसमें भारतीय मूल के लोगों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। चाहे बात विज्ञान, तकनीकी नवाचार, शिक्षा, व्यवसाय या सांस्कृतिक विविधता की हो, भारतीय अमेरिकियों ने हर क्षेत्र में अपनी अद्वितीय छाप छोड़ी है। हाल ही में मिसिसिपी विश्वविद्यालय में एक भारतीय मूल की महिला द्वारा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से आव्रजन नीतियों पर खुले मंच से सवाल पूछना इसी साहस और सामाजिक जागरूकता का उदाहरण है। इस घटना को सिर्फ एक बहस मत मानिए, यह तो उस प्रवासी समुदाय की आवाज थी जो अमेरिका की प्रगति में प्रत्यक्ष योगदान देने के बावजूद नीतिगत भेदभाव का सामना करता है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 54 लाख (5.4 मिलियन) से अधिक भारतीय एवं भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। यह संख्या उन्हें अमेरिका में चीनी-अमेरिकियों के बाद दूसरा सबसे बड़ा एशियाई जातीय समूह बनाती है। यह समुदाय अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 1.6% है। भारतीय अमेरिकी समुदाय उच्च शिक्षा और तकनीकी दक्षता में अग्रणी होने के साथ ही यहां अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी रीढ़ की हड्डी साबित हो रहा है।

मैनहैटन इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार, एक औसत भारतीय प्रवासी और उसका परिवार अगले 30 वर्षों में अमेरिकी संघीय खजाने को लगभग 1.7 मिलियन डॉलर की बचत प्रदान करता है यह सभी प्रमुख प्रवासी समूहों में सबसे ऊँचा आँकड़ा है। यानी चीन के लोग भले ही अमेरिका में अधिक हों, किंतु अमेरिका के खजाने को सबसे अधिक यदि कोई भरता है तो वे भारतीय हैं। भारतीय अमेरिकी पेशेवर विशेष रूप से आईटी, चिकित्सा, वित्त, इंजीनियरिंग और उद्यमिता के क्षेत्र में अग्रणी हैं। उदाहरण के लिए, एच-1बी वीजा कार्यक्रम में लगभग 73 प्रतिशत हिस्सेदारी भारतीयों की रही है, जो उच्च कौशल वाले तकनीकी पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करती है। गूगल के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्य नडेला, एडोबी के शांतनु नारायण और आईबीएम जैसी कंपनियों में शीर्ष नेतृत्व में भारतीय मूल के लोग इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय प्रतिभा ने अमेरिकी कॉर्पोरेट परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। इसलिए ही बुद्धि कौशल के मामले में सबसे अधिक भारतीयों की डिमांड वहां रहती है। यह भी एक तथ्य है, भारतीय अमेरिकियों का औसत वार्षिक पारिवारिक आय अमेरिका के औसत से लगभग 80 प्रतिशत अधिक है। वे अमेरिका की जनसंख्या का 1.5 प्रतिशत होते हुए भी संघीय कर राजस्व में 5 से 6 प्रतिशत योगदान देते हैं। उनके व्यवसायों और स्टार्टअप्स से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 11 से 12 मिलियन रोजगार अवसर जुड़े हैं। सिलिकॉन वैली में स्थापित हर चौथे स्टार्टअप की नींव किसी भारतीय या भारतीय मूल के उद्यमी ने रखी है। कहना होगा कि यह भारतवंशियों के नवाचार-केन्द्रित दृष्टिकोण का परिचायक है। अब बात अमेरिका की आव्रजन नीति की। वस?तुतः ये लंबे समय से राजनीतिक विवादों का विषय रही है। विशेषकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के दौरान कड़े प्रतिबंधों और ₹ओी१्र ऋ१२३₹ नीति के कारण कई वैध प्रवासी भी प्रभावित हुए हैं। इन नीति ने भारतीय समुदाय में असुरक्षा की भावना बढ़ाई है, जबकि अधिकांश भारतीय प्रवासी पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया से अमेरिका पहुंचे हैं, फिर भी ₹इमिग्रेशन सख्ती₹ की लहर ने उन्हें भी अपने अस्तित्व के लिए सजग और संगठित होने पर मजबूर किया है। इसी संदर्भ में मिसिसिपी विश्वविद्यालय की वह घटना विशेष रूप से उल्लेखनीय है जिसमें एक भारतीय मूल की महिला ने उपराष्ट्रपति वेंस से सार्वजनिक मंच पर सवाल किया; ह्लहम नियमों से आए हैं, मेहनत से जी रहे हैं, तो हमें बाहर क्यों किया जा रहा है?ह्व यह प्रश्न मात्र भावनात्मक नहीं है, यह अमेरिका के लोकतांत्रिक मूल्य, समानता और न्याय के सिद्धांतों को पुनः परिभाषित करने का आह्वान है। वेंस ने जब उत्तर दिया कि ह्लकम प्रवासी आने चाहिए ताकि देश का सामाजिक ढांचा बचा रहे,ह्व तो यह तर्क बहुसांस्कृतिक समाज की जटिलताओं को समझने में विफल रहा। क?योंकि अमेरिका का इतिहास बताता है कि विविधता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति रही है और भारतीय प्रवासियों ने इस विविधता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। यदि भारतीय अमेरिका नहीं जाते तो आज अमेरिका जिस विकसित रूप में दिखाई देता है, वह भी नहीं होता! इसी तरह से कार्यक्रम के दौरान महिला द्वारा उपराष्ट्रपति के अंतरधार्मिक विवाह पर सवाल उठाना भी भारतीय प्रवासियों के सांस्कृतिक आत्मबोध को दर्शाता है। भारतीय समुदाय अपनी धार्मिक आस्था, पारिवारिक मूल्य और सांस्कृतिक जड़ों को सहेजते हुए भी अमेरिकी समाज में गहराई से रच-बस गया है। जैसा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस की पत्नी उषा वेंस को हम देख सकते हैं, जो पूरी तरह से हिन?दू धर्म का पालन करती हैं। इसी तरह से अनेक भारतीय मूल के अमेरिकी हैं जो यहां सांस्कृतिक एकता और वैश्विक सौहार्द का संदेश मजबूत कर रहे हैं। भारतीय अमेरिकियों ने व्यवसाय और तकनीकी जगत के साथ ही राजनीति और सामाजिक नेतृत्व में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। इस दृष्टिकोण से कई नाम देखे जा सकते हैं। कमला हैरिस, अमी बेरा, प्रमिला जयपाल, रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, श्री थानेदार, अरुणा मिलर, विवेक मूर्ति निक्की हेली बॉबी जिंदल, प्रीति भरगावा, सीमा वर्मा, काश्यप (कश) पटेल, विवेक रामास्वामी, सुहास सुब्रमण्यम, रिचर्ड आर. वर्मा, प्रीति बंसल, अंजली चतुर्वेदी, माला अडिगा, सेमी वर्मा, नील कशकारी और ऐसे ही अन?य नाम हैं। आज कई भारतीय अमेरिकी अब अमेरिकी कांग्रेस, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में निर्वाचित होकर नीति निर्माण की मुख्यधारा में हैं।

नई पीढ़ी के भारतीय अमेरिकी छात्र विश्वविद्यालयों में शिक्षा, शोध और नवाचार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वे सामाजिक न्याय, जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार और तकनीकी नैतिकता जैसे विषयों पर अग्रिम सोच रखते हैं। यह प्रवृत्ति बताती है कि भारतीय समुदाय यहां सिर्फ आर्थिक सफलता तक सीमित नहीं है, अमेरिकी लोकतंत्र की मूल चेतना का भी पूर्ण हिस्सा बन चुका है। अतः वर्तमान संदर्भ में यदि कुछ शब?दों में हम समझें तो भारतीयों का ज्ञान, साहस, बुद्धिमत्ता और श्रम, समृद्धि? बल ही अमेरिका की सफलता की कहानी का अभिन्न अध्याय है। यहां रह रहे भारत वासियों ने अपने परिश्रम, शिक्षा और नैतिक आचरण से यह सिद्ध किया है कि किसी भी देश की प्रगति केवल नीतियों पर नहीं, बल्कि लोगों की लगन और समर्पण पर निर्भर करती है। वस्तुतः आज आवश्यकता इस बात की है कि अमेरिकी इमिग्रेशन नीति भारतीय समुदाय के इस योगदान को पहचाने और उसके अनुरूप सम्मान व अवसर सुनिश्चित करे। मिसिसिपी की ये घटना भारतीयों का साहस है। जो लोग अमेरिका की ₹ओी१्र ऋ१२३₹ नीति के नाम पर भारतीयों पर जुल?म कर रहे हैं, वे समझ जाएं कि ऐसा करके वे अपने देश को ही कमजोर कर रहे हैं।

कार्तिक में तुलसी चालीसा का विशेष महत्व

कार्तिक महीना हिंदी पंचांग का आठवां महीना होता है। इस महीने को भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित माना जाता है। कार्तिक महीने में भक्त पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा करते हैं और उनकी कृपा पाने की कामना करते हैं। यह महीना धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। क्योंकि यह महीना भगवान विष्णु के प्रति भक्ति और समर्पण का प्रतीक होता है। तुलसी के पौधे को भगवान विष्णु का अतिप्रिय माना जाता है। तुलसी के बिना भगवान विष्णु का भोग अधूरा माना जाता है। इसलिए कार्तिक महीने में तुलसी पूजा का विशेष महत्व होता है। ऐसे में अगर आप भी भगवान विष्णु की कृपा और आशीर्वाद पाना चाहते हैं, तो तुलसी पूजा के समय तुलसी चालीसा का पाठ जरूर करना चाहिए। इससे व्यक्ति को मां तुलसी और भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इससे जातक के जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

तुलसी चालीसा

श्री तुलसी महारानी, करूं विनय सिरनाय।
जो मम हो संकट विकट, दीजै मात नशाय।।
नमो नमो तुलसी महारानी, महिमा अमित न जाय बखानी।
दियो विष्णु तुमको सनमाना, जग में छायो सुयश महाना।।
विष्णुप्रिया जय जयतिभवानि, तिहूँ लोक की हो सुखखानी।
भगवत पूजा कर जो कोई, बिना तुम्हारे सफल न होई।।
जिन घर तव नहिं होय निवासा, उस पर करहिं विष्णु नहिं बासा।
करे सदा जो तव नित सुमिरन, तेहिके काज होय सब पूरन।।
कातिक मास महात्म तुम्हारा, ताको जानत सब संसारा।
तव पूजन जो करैं कुंवारी, पावै सुन्दर वर सुकुमारी।।
कर जो पूजन नितप्रति नारी, सुख सम्पत्ति से होय सुखारी।
वृद्धा नारी करै जो पूजन, मिले भक्ति होवै पुलकित मन।।
श्रद्धा से पूजै जो कोई, भवनिधि से तर जावै सोई।
कथा भागवत यज्ञ करावै, तुम बिन नहीं सफलता पावै।।
छायो तब प्रताप जगभारी, ध्यावत तुमहिं सकल चितधारी।
तुम्हीं मात यंत्रन तंत्रन, सकल काज सिधि होवै क्षण में।।
औषधि रूप आप हो माता, सब जग में तव यश विख्याता,
देव रिषी मुनि औ तपधारी, करत सदा तव जय जयकारी।।
वेद पुरानन तव यश गाया, महिमा अगम पार नहिं पाया।
नमो नमो जै जै सुखकारनि, नमो नमो जै दुखनिवारनि।।
नमो नमो सुखसम्पति देनी, नमो नमो अघ काटन छेनी।
नमो नमो भक्तन दुःख हरनी, नमो नमो दुष्टन मद छेनी।।
नमो नमो भव पार उतारनि, नमो नमो परलोक सुधारनि।
नमो नमो निज भक्त उबारनि, नमो नमो जनकाज संवारनि।।
नमो नमो जय कुमति नशावनि, नमो नमो सुख उपजावनि।
जयति जयति जय तुलसीमाई, ध्याऊँ तुमको शीश नवाई।।
निजजन जानि मोहि अपनाओ, बिगड़े कारज आप बनाओ।
करूँ विनय मैं मात तुम्हारी, पूरण आशा करहु हमारी।।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

चेंबर ऑफ फार्मर सहयोग समिति लिमिटेड ने बरहेट प्रखंड में गेहूं बीज वितरित

साहिबगंज : बरहेट प्रखंड अंतर्गत सिमल ढाब में बरहेट प्रखंड प्रमुख बर्नार्ड मरांडी व चेंबर ऑफ फार्मर के अध्यक्ष देवाशीष भारती ने संयुक्त रूप से बरहेट प्रखंड के किसानों को ब्लॉकचेन के माध्यम से 50 प्रतिशत अनुदान पर गेहूं बीज वितरण किया।समय पर बीज प्राप्त कर किसानों के चेहरे पर खुशी की झलक थी। प्रमुख ने बताया की किसानों को ससमय गेहूं बीज वितरण किया जा रहा है जिससे किसान सही समय पर अपने खेत में इसका बुवाई कर सकेंगे व अधिक से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकेंगे इससे उनकी आजीविका में व्यापक सुधार हो पाएगी ।

झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक ने जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव को पद से मुक्त किया

साहिबगंज : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने जानकारी दी है कि संगठन के साहिबगंज जिला अध्यक्ष मिथुन कुमार यादव को संगठन के नियमों एवं अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप में पद से पदमुक्त कर दिया गया है।केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने बताया कि मिथुन कुमार यादव द्वारा लगातार संगठन के सिद्धांतों और अनुशासन की अवहेलना की जा रही थी।इस पर केंद्रीय समिति ने गंभीर विचार-विमर्श के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से पदमुक्त करने का निर्णय लिया।राजकुमार यादव ने कहा कि संगठन अपने सभी सदस्यों से अपेक्षा करता है कि वे संघ की मयार्दा,अनुशासन और एकता को बनाए रखते हुए मजदूरों के हित में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

सहकारिता विभाग ने रबी फसल के लिए किसानों के बीच बीज का किया वितरण

साहिबगंज/बरहरवा : सहकारिता विभाग के द्वारा बरहरवा लैंप्स से रबी फसल की बुवाई हेतु किसानों को गेहूं का बीज का वितरण साहिबगंज कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के हाथों किया गया।बरहरवा प्रखण्ड अंतर्गत बिशनपुर बटाईल, हरिहरा,श्रीकुंड,रतनपुर, भीमपाड़ा कोईरीपाड़ा,चापुजान, मधवापाड़ा के 37 किसानों को गेहूं का बीज वितरण किया गया।40 किलोग्राम का एक पैकेट गेहूं का बीज का सरकारी कीमत 840 रुपए प्रति पैकेट के दर से किसानों को बीज दिया गया।बरकत खान ने कहा कि ससमय गेहूं का बीज उपलब्ध होने से किसान सही समय पर अपने खेतों में गेहूं की खेती करेंगे,फसल का उत्पादन भी अच्छा होगा।मौके पर विभिन्न पंचायत एवं ग्राम से बीज लेने वाले किसानों में किरण देवी,पप्पू भगत,अब्दुल समद,संजय भगत, फैजुद्दीन अंसारी,सुनील कुमार अकेला,राजवंश कुशवाहा,हीरालाल भगत,मजहरूल इस्लाम सहित लैंप्स के प्रबंध सचिव खुर्शीद खान उर्फ मुन्ना मौजूद थे।

जिला परिवहन पदाधिकारी ने चलाया सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

दुमका : जिले के जिला परिवहन पदाधिकारी मृत्युंजय कुमार के द्वारा रविवार को अटल बिहारी बस स्टैंड के पास चलाया गया सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम जिसमें दो पहिया वाहन चलते समय हेलमेट पहनने का अनुरोध किया गया तथा चार पहिया वाहन चलते समय सीट बेल्ट लगा कर ही वाहन चलने का अनुरोध किया गया एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करें। मौके पर उपस्थित

जिला परिवहन पदाधिकारी श्री कुमार ने वाहन चलाने के सही नियम एवं तरीके को बताते हुए कहा किहेलमेट सबसे पहले : जब आप बाइक चलाएं या दोपहिया वाहन पर बैठें तो हमेशा हेलमेट पहनें।.धीमी गति से चलें : बहुत तेज न चलें, गति सीमा के संकेतों का पालन करें और सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।यातायात के नियमों का पालन करें : हमेशा ट्रैफिक सिग्नल को याद रखें। लाल का मतलब है रुकें, हरा का मतलब है चलें, और पीला का मतलब है धीमा चलें।.मोबाइल फोन का प्रयोग न करें : वाहन चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन का प्रयोग न करें।सीट बेल्ट पहनें : यदि आप कार में हैं, तो हमेशा सीट बेल्ट पहनें, यह हमेशा सुरक्षित है।सड़क पर ध्यान केंद्रित करें : जब आप गाड़ी चला रहे हों, तो आपकी आंखें और दिमाग सड़क पर होना चाहिए, और केंद्रित रहना चाहिए।दूरी बनाए रखें : हमेशा अपने वाहन के पीछे और आगे सुरक्षित दूरी बनाए रखें।.शराब पीकर वाहन न चलाएं : जब आप बड़े हो जाएं और वाहन चलाना शुरू करें, तो याद रखें कि कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं, यह खतरनाक है।चतुराई से चलें : जब आप सड़क पर चल रहे हों, तो अनुशासित रहें, एक लेन में चलें, और सड़क पार करने से पहले दोनों तरफ देखें। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से मोटरयान निरीक्षक,दुमका सड़क सुरक्षा कोषांग से अमित कुमार, मनोज कुमार उरांव आदि शामिल थे।

पांच को नगर विकास मंत्री सह उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आवास का होगा घेराव

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड राज्य सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा जिला कमेटी साहिबगंज की एक आवश्यक बैठक मध्य विद्यालय तालाब में आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक कुमार शाह संचालन जिला सचिव चंदन कुमार सिंह ने किया।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 5 नवंबर 2025 को नगर विकास मंत्री सह उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आवास का घेराव किया जाएगा।जिसमें साहेबगंज के तमाम सहायक अध्यापक अध्यापिका जिले के सभी पदाधिकारी सभी प्रखंडों के पदाधिकारी एवं सभी संकुलों के पदाधिकारी एवं सहायक अध्यापक अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर चट्टानी एकता का परिचय देते हुए वनांचल एक्सप्रेस से साहिबगंज से गिरिडीह के लिए प्रस्थान करेंगे।कहा कि अगर 5 नवंबर को मंत्री के आवास घेराव के बाद सरकार के द्वारा सार्थक पहल करते हुए हमारी मांग को पूरा नहीं किया जाता है तो

आगामी 15 नवंबर 2025 को झारखंड के तमाम सहायक अध्यापक / साहेबगंज के तमाम सहायक अध्यापक रांची के मोहाराबादी मैदान में एकत्रित होकर तिरंगा यात्रा निकालते हुए मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे, जिसकी सूचना सरकार एवं विभागीय अधिकारियों को 31 अक्टूबर को लिखित स्वरूप दी जा चुकी है।उनलोगो कि मांग है कि समान काम का समान वेतन,विगत समझौता के तहत आकलन परीक्षा को टेट के समतुल्य मान्यता,28 अगस्त 2024 समझौते के अन्य सभी बिंदु को लागू करना,सहायक अध्यापकों की सेवा निवृत्ति 60 से बढ़कर 65 वर्ष।बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी,जिला अध्यक्ष अशोक शाह,जिला सचिव चंदन सिंह,साहेबगंज प्रखण्ड सचिव मोहसिन अजमल,तालझारी प्रखण्ड अध्यक्ष गमाल हेम्ब्रम,बडहरवा प्रखंड अध्यक्ष सादेमन अली,प्रखण्ड सचिव सरीफुल इस्लाम,जगन्नाथ किस्फोता,इसमतुर्उर रहमान रामवतार हाँसदा,जगदीश मुर्मू संतोष टूरी अशोक मंडल,सुबोध राय, शमीम अख्तर,मो०नासिर, आलम,हरिशंकर यादव,अनिल यादव मुजीबु रहमान,मो आजाद अली,अशफाक आलम,महेश साह समेत अन्य सहायक अध्यापक मौजूद थे।

संत जेवियर्स स्कूल में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता

साहिबगंज : सोक्सा साहिबगंज ओल्ड सवेरिन्स संगठन द्वारा सेंट जेवियर्स स्कूल,साहिबगंज में शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के स्वास्थ्य की देखभाल करना और समाज सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना था।शिविर में कुल 25 प्रतिभागियों की जांच की गई, जिसमें रक्तचाप हीमोग्लोबिन, और लिपिड प्रोफाइल जैसी जांचें की गईं।इन परीक्षणों का प्रायोजन सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा किया गया।एचडीएफसी एग्रो के प्रतिनिधि द्वारा शिक्षकों के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा योजना पर जानकारी दी गई और चर्चा की गई।इस कार्यक्रम मे सदर अस्पताल,साहिबगंज की टीम की देखरेख में 7 दाताओं ने रक्तदान किया। जिससे कई ज़िंदगियों को नई उम्मीद मिलेगी।कार्यक्रम में रिवरेंड फादर अरुल दोस एस.जे.प्रधानाचार्य एवं सोक्सा के अध्यक्ष,रिवरेंड फादर रेक्टर वी.एम.जोश एस.जे.,तथा मुख्य अतिथि डॉ.दिवेश कुमार जो वर्तमान में सदर अस्पताल, साहिबगंज में डिप्टी सुपरीटेंडेंट के रूप में कार्यरत हैं।स्वास्थ्य जांच कार्य में विद्यालय के पूर्व छात्र चिकित्सकों मे डॉ दिवेश, डॉ.सुमित, डॉ.मणिकांत, डॉ. स्त्रीजा, डॉ मुकेश, डॉ.रेहान, डॉ.अमरेश, डॉ.राहुल और डॉ.अमित सक्रिय सहयोग दिया। कार्यक्रम की सफलता में सूर्या सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की टीम का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने सभी जांचों में तकनीकी और चिकित्सीय सहयोग प्रदान किया।उनके प्रति सोक्सा परिवार की ओर से हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया गया। सदर अस्पताल की टीम, सोक्सा के पदाधिकारियों, सभी डॉक्टरों, दाताओं और स्वयंसेवकों के सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

संवाददाता

गोपीकांदर : गोटा भारोत सिदो कान्हू हूल बैसी के 20वां स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को गोपीकांदर प्रखण्ड अंतर्गत सुजुर्डीह गांव में बैसी द्वारा संचालित फूलो झानो कोचिंग सेंटर के प्रांगण में एक दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित किया गया. इस खेल प्रतियोगिता में बालकों के 100मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अमन हेम्ब्रम, द्वितीय स्थान इमानुएल सोरेन, एवं तृतीय स्थान दीपक टुडू,बालिका वर्ग में प्रथम स्थान सुमित्रा मुर्मू, द्वितीय स्थान गीता सोरेन एवं तृतीय स्थान स्वेता किस्कू को मिला.बच्चों के लिए जलेबी रेस में प्रथम स्थान सिंकू मुर्मू द्वितीय स्थान बिनीता हेम्ब्रम एवं तृतीय स्थान राजू हेम्ब्रम को मिला जबकि महिलाओं के लिए सुई धागा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सविता मुर्मू, द्वितीय स्थान सुमिता सोरेन एवं तृतीय स्थान में बिटीमई टुडू रही।मटका फोड़ प्रतियोगिता में महाकुमार टुडू एवं महिलाओं में सुमित्रा सोरेन ने बाजी मारी। इस मौके पर बैसी के सचिव मानुएल सोरेन ने उपस्थित प्रतिभागी एवं ग्रामीणों को बैसी की उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी देते हुए सभी को शिक्षा , कला संस्कृति के छेत्र में आगे आने के लिए अनुरोध किया। बैसी के कार्यकारी अध्यक्ष गमालिएल हांसदा ने सभी को जैविक खेती एवं पारम्परिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अनुरोध किया। कार्यक्रम का संचालन सुलेमान मरांडी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सनातन मुर्मू, मनीष किस्कू,मांझी हाड़ाम सुभाष हांसदा, फिलिमोन टुडू, पौलूस हांसदा, मखोदी सोरेन, फिलिप हांसदा, देवीलाल हांसदा, स्टेनशिला मरांडी , मोनिका मरांडी, उपस्थित थे।

पलामू में सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ

मेदिनीनगर : पलामू में रविवार को सांसद खेल महोत्सव का हाफ मैराथन का आयोजन कर शुभारंभ किया गया। सांसद विष्णु दयाल राम, अधिकारीगण, भाजपा के नेता व कार्यकर्ता, आम युवा और छात्र-छात्राओं ने हाफ मैराथन में मेदिनीनगर सिटी के शिवाजी मैदान से पुलिस स्टेडियम तक तेज कदम से चलते हुए या जॉगिंग करते हुए पहुंचे। सांसद ने पार्टी के नेताओं आदि के साथ शिवाजी मैदान में गुब्बारा उड़ाने के बाद हरी झंडी दिखाकर हाफ मैराथन की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों के अनुरूप देश के सभी संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में लोकप्रिय खेलों को प्रोत्साहित करना और खिलाड़ियों को बड़ा मंच प्रदान करना है। हाफ मैराथन के समापन कार्यक्रम में पुलिस लाइन स्टेडियम में सांसद वीडी राम ने कहा कि भारत तेजी से 2024 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। इसके लिए यह जरूरी है कि जिस तेज गति से देश आंतरिक और वैश्विक मोर्चे पर अपनी सुरक्षा को सशक्त बना रहा है, आर्थिक मोर्चे पर नया माइल स्टोन तैयार कर रहा है, शिक्षा, वाणिज्य, अनुसंधान, अंतरीक्ष आदि सभी सेक्टर में कृतिमान स्थापित कर रहा है उसकी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ्य रखने की दिशा में भी क्रांतिकारी कदम फिट इंडिया के तहत उठाया जा रहा है। देश को विकसित रखने में खुद को फिट रखकर भी योगदान दिया जा सकता है। हाफ मैराथन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मेदिनीनगर की पूर्व मेयर अरूणा शंकर, श्याम नारायण दूबे, अलख नाथ पांडेय, भाजपा के पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी, गढ़वा जिलाध्यक्ष ठाकुर महतो आदि ने भी संबोधित किया। सांसद प्रतिनिधि विजय ओझा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में सांसद खेल महोत्सव का बड़ा योगदान मिलने की संभावना व्यक्त किया। कार्यक्रम में उक्त के अलावा पूर्व मंत्री रामचंद्र केशरी, भाजपा नेता प्रेम सिंह, विपिन बिहारी सिंह, मुकेश निरंजन सिन्हा, दुर्गा जौहरी, अरविंद पांडेय, जिला पार्षद प्रमोद सिंह, ओमप्रकाश पप्पू, ईश्वरी पांडेय, स्मिता, सुरज गुप्ता, शिवकुमार मिश्र, संध्या सिंह, ओमप्रकाश तिवारी, विभाकर नारायण पांडेय, विपुल गुप्ता, सुनील पासवान, विजय ठाकुर आदि विशेष रूप से सक्रिय रहे।

संसार में मनुष्य का कोई दुश्मन नहीं है बल्कि इंसान ही स्वयं का दुश्मन है : फादर

साहिबगंज : बिजली घाट रोड स्थित कैथोलिक चर्च में रविवार को विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई।ईसाई धर्म के लोगों ने प्रार्थना के बाद अपने गुनाहों का फादर को बताया और परमात्मा से क्षमा याचना की।इस दौरान चर्च के कई सिस्टर ने ईसाई धर्म के बारे में लोगों को बताया और ईसाई धर्म का प्रचार प्रसार करने की अपील की।कहा कि प्रभु ईसा मसीह दयालु है।वे अपने ऊपर जुल्म करने वाले को भी माफ कर देते है।इस संसार में मनुष्य का कोई दुश्मन नहीं है बल्कि इंसान ही स्वयं का दुश्मन है।उन्होंने लोगों को सत्य के मार्ग पर चलने,जरूरतमंदों की मदद करने, भटके हुए को सही मार्ग बताने,भूखे को भोजन कराने की अपील की।चर्च के फादर ने ईसाई धर्म की बारीकियां बताई।मौके पर सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद थे।

बासुकीनाथ में भाजपा का विधानसभा सम्मेलन संपन्न

संवाददाता

बासुकीनाथ : भारतीय जनता पार्टी, दुमका जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद की अध्यक्षता में रविवार को खेतौरी धर्मशाला, बासुकीनाथ में आत्मनिर्भर भारत विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के वरिष्ठ नेता,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद(बम बाबू) जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर(दिलीप बाबू) प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ०अंजुला मुर्मू,प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा,देवघर जिलाध्यक्ष सचिन रवानी,बासुकीनाथ नगर पंचायत की निवर्तमान अध्यक्षा पूनम देवी मौजूद थे।

सम्मेलन में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे विकास, स्वावलंबन और सशक्त भारत के अभियान को गति देने पर विस्तृत चर्चा हुई।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए यदुनाथ

पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज हर गाँव, हर क्षेत्र में स्वावलंबन की भावना जागृत हो रही है। भाजपा का हर कार्यकर्ता इस संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का सेतु बने।इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद(बम बाबू) ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके। भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए इस अभियान को गाँव-गाँव तक पहुँचाने का कार्य करें। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जर्मनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर (दिलीप बाबू) ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मंत्र आत्मसम्मान और स्वदेशी भावना को सशक्त करता है। झारखंड जैसे संसाधन-संपन्न राज्य में भाजपा ही एकमात्र दल है जो स्थानीय युवाओं को उद्योग और स्वावलंबन से जोड़ने का प्रयास कर रही है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा झारखंड प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ.

अंजुला मुर्मू जी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं और युवाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोल रहा है। यह सम्मेलन समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। सम्मेलन में रविकांत मिश्रा,सचिन रवानी,पूनम देवी,संतोष उपाध्याय,बलराम पोद्दार,अनूप कुमार,शैलेश कुमार राव,मुरलीधर मंडल,गौतम राय,मनोज मंडल,सुधीर कुमार,कामेश्वर साह,जयकांत मंडल, विश्वंभर राव,जय किशोर साह,श्याम राय,जयप्रकाश मिश्रा,मिथिलेश झा,आनंदी देवी झा,रमेश कुमार मिश्रा,पप्पू सिंह,मनमोहन झा,स्वरूप कुमार सिन्हा,बालकृष्ण पांडेय,नवीन कुमार राव,सचिन राव,चंदन राय,सुबोध मंडल, श्रवण साह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे ।

हरमनप्रीत कौर ने की शैफाली वर्मा की तारीफ, कहा- उसका दिन था

एजेंसी

नवी मुंबई : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि उन्हें अंदर से महसूस हो रहा था कि रविवार का दिन शैफाली वर्मा का है – और उनका यही ह्लगट फीलिंगह्व भारत के लिए ऐतिहासिक विश्व कप जीत का कारण बना। विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने 299 रन का लक्ष्य रखा था। उस समय जब दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वूल्वार्ट और सुने लूस 52 रनों की साझेदारी कर रही थीं, हरमनप्रीत ने शैफाली को गेंद थमाने का फैसला किया – और यहीं से मैच का रुख पलट गया। शैफाली, जिन्होंने पहले बल्ले से अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 87 रनों की पारी खेली, ने गेंदबाजी में भी दो अहम विकेट लेकर मैच को भारत की झोली में डाल दिया। अपने करियर में सिर्फ 14 ओवर में एक विकेट के रिकॉर्ड के साथ आईं शैफाली ने फाइनल में महज दो गेंदों में बड़ा असर दिखाया – पहले लौरा वूल्वार्ट का कैच खुद लपककर साझेदारी तोड़ी और फिर अगले ओवर की पहली ही गेंद पर मरिजान काप को पवेलियन भेजा। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, ह्लजब लौरा और सुन बल्लेबाजी कर रही थीं, तो वे बहुत अच्छे लग रहे थे। तभी मैंने शैफाली को देखा और सोचा कि आज उसका दिन है। दिल कह रहा था कि उसे एक ओवर देना चाहिए, और जैसे ही मैंने पूछा ह्यक्या तू एक ओवर डालेगी?ह्ल, उसने तुरंत हां कह दिया। और वही हमारे लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। शैफाली टीम में सेमीफाइनल से पहले शामिल हुई थीं, जब नियमित ओपनर प्रतिका रावल चोटिल होकर बाहर हुईं। हरमन ने बताया,ह्लजब वह टीम में आई, तो हमने कहा था कि हो सकता है हमें तुझसे दो-तीन ओवर की जरूरत पड़े। उसने कहा – ह्यअगर आप मुझे गेंद दोगे, तो मैं टीम के लिए 10 ओवर डालूंगी।ह्ल उसकी यही आत्मविश्वास टीम के लिए बड़ा फर्क लेकर आया। हरमनप्रीत ने कहा कि भले ही हमने सेमीफाइनल में 339 रन का पीछा कर रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन फाइनल में 298 रन पर्याप्त थे ।

भारत ने रचा इतिहास: 52 साल बाद पहली बार महिला वनडे विश्व कप की चैंपियन बनी टीम इंडिया

नवी मुंबई : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आखिरकार 52 साल लंबे इंतजार को खत्म करते हुए पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने 2025 महिला विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराया। शेफाली और दीप्ति की चमक से भारत का मजबूत स्कोर डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 7 विकेट पर 298 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में शामिल की गई शेफाली वर्मा ने 78 गेंदों पर 87 रन की दमदार पारी खेली, जिसमें सात चौके और दो छक्के शामिल थे। वहीं दीप्ति शर्मा ने 58 गेंदों पर 58 रन बनाकर शानदार साथ निभाया। शेफाली ने स्मृति मंधाना (45) के साथ पहले विकेट के लिए 104 गेंदों पर 106 रन और जेमिमा रोड्रिग्स (24) के साथ 62 रन की साझेदारी कर भारत को सशक्त शुरूआत दी। इसके बाद रिचा घोष ने अंत में 24 गेंदों पर 34 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर रनगति को बनाए रखा।

एशेज की तैयारी के लिए भारत के खिलाफ चल रही टी 20 सीरीज से बाहर हुए ट्रैविस हेड

एजेंसी

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड भारत के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम दो मैचों से बाहर हो गए हैं। वे अब एशेज की तैयारी के तहत अपने राज्य साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से शेफील्ड शील्ड में खेलने उतरेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार हेड अगले सप्ताह होबार्ट में तस्मानिया के खिलाफ मैच में हिस्सा लेंगे। यह उनका जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद पहला फर्स्ट क्लास मैच होगा। हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है – उन्होंने पिछले आठ पारियों में (टी20क और वनडे मिलाकर) केवल एक बार 30 से अधिक रन बनाए हैं। अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 142 रन की पारी के बाद से वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। ट्रैविस हेड टेस्ट टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी माने जाते हैं और वे नंबर 5 पर उतरेंगे, जहां उनकी आक्रामक बल्लेबाजी विपक्ष के लिए मैच का रुख बदल सकती है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें खुद निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी गई थी कि वे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले एक चार दिवसीय मैच खेलना चाहते हैं या नहीं। इस कदम से शेफील्ड शील्ड का आगामी राउंड बेहद आकर्षक हो गया है, क्योंकि लगभग पूरी ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम इसमें हिस्सा लेने वाली है। जोश हेजलवुड (जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे टी20क के बाद टीम छोड़ी थी) और मिचेल स्टार्क न्यू साउथ वेल्स की ओर से विक्टोरिया के खिलाफ खेलेंगे, जहां उनके साथ नाथन लायन भी गेंदबाजी करेंगे। सीन एबॉट भी होबार्ट मैच के बाद टी20 टीम से जुड़कर न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलेंगे। स्टीव स्मिथ, जिन्होंने हाल ही में गाबा में क्वींसलैंड के खिलाफ 118 रन की पारी खेली थी, अपना दूसरा लगातार शील्ड मैच खेलेंगे। विक्टोरिया की टीम में स्कॉट बोलैंड भी शामिल रहेंगे, जिन्हें पिछले मैच में आराम दिया गया था। कैमरन ग्रीन वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वींसलैंड के खिलाफ उतरेंगे और उम्मीद है कि वे इस मैच में गेंदबाजी की वापसी करेंगे। मार्नस लाबुशेन भी टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलने के इच्छुक हैं, जबकि मैट रेनशॉ को ओपनिंग स्लॉट के लिए आजमाया जा सकता है।

डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने की खबरों पर तापसी ने लगाया विराम

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर आ रही थी कि वो भारत छोड़कर पति के साथ डेनमार्क में शिफ्ट हो गई हैं। कहा जा रहा था कि उन्होंने भारत छोड़कर अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने का फैसला कर लिया है। लेकिन अब खुद तापसी ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है।

हेडलाइन से ज्यादा रिसर्च कर लो!

तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साफ किया कि उनका ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- क्या इससे कम झूठी और कम सनसनीखेज हेडलाइन नहीं मिल सकती थी? जरा रिसर्च कर लिया करो, इतनी जल्दी क्या है! तापसी ने फेक रूमर्स फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया और फैंस को बताया कि वो मुंबई में हैं। तापसी ने पोस्ट में साफ किया कि वह फिलहाल मुंबई में अपने घर पर हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में लिखा- इस उमस भरी मुंबई की सुबह में डोसा खाते हुए सोच रही हूं कि ये सब आखिर है क्या!

हाल ही में एक इंटरव्यू में तापसी ने अपने डेनमार्क वाले घर के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने घर में भारतीय पारिवारिक परंपरा को जिंदा रखा है। उन्होंने कहा था, मैथियास के माता-पिता हमारे साथ ही रहते हैं, उनका अपना फ्लोर है। डेनिश संस्कृति में ये आम बात नहीं है, लेकिन मुझे लगा कि परिवार के साथ रहना ही घर को घर बनाता है।

तापसी ने आगे बताया कि वह काम के हिसाब से भारत और डेनमार्क के बीच समय बांटती हैं- ज़्यादातर शूटिंग्स सर्दियों में होती हैं, इसलिए मैं उस वक्त भारत में रहती हूं। जब भारत में गर्मी या बारिश होती है, तब हम डेनमार्क चले जाते हैं। इस तरह दोनों देशों के मौसम और काम के बीच तालमेल बन जाता है।

गांधारी से नेटफ्लिक्स पर वापसी

काम के मोर्चे पर तापसी जल्द ही 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जो एक इंटेंस रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा कर रहे हैं और इसे कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी और इसमें तापसी का अब तक का सबसे गहरा और भावनात्मक किरदार बताया जा रहा है। इससे पहले उन्हें 'खेल खेल में' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर, अमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फर्दीन खान नजर आए थे।

अरशद वारसी ने शाहरुख के साथ अपने रिश्तों पर की बात

अभिनेता अरशद वारसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भागवत- चैप्टर वन राक्षस को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस बीच अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान अरशद ने फिल्म की कहानी, किरदार और आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने स्क्रिप्ट को असली हीरो भी बताया।

स्क्रिप्ट है असली हीरो

स्क्रिप्ट को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए अरशद वारसी ने कहा, 'मैं सिर्फ खराब स्क्रिप्ट को मना करता हूं, जॉनर को नहीं। चाहे एक्शन हो, कॉमेडी, ड्रामा या थ्रिलर, अगर कहानी मजबूत है, तो मैं जरूर करता हूं। कभी-कभी दोस्ती यारी के लिये हां कह देता हूं, लेकिन आमतौर पर स्क्रिप्ट मेरे लिये सबकुछ होती है। कमजोर कहानी पर कोई भी फिल्म टिक नहीं सकती।

बिना कहानी सुने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को हां बोला

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के साथ द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में काम करने के अनुभव पर अभिनेता ने कहा, मैं शाहरुख खान और उनके परिवार से बहुत प्यार करता हूं। वो लोग बेहद अच्छे इंसान हैं। कुछ दिन पहले मैंने शाहरुख से कहा था – आपने मुझे बिगाड़ दिया है। आर्यन के साथ काम करने के बाद ये बात और पक्की हो गयी। उनके घर का माहौल बहुत अपनापन भरा है। सुहाना और आर्यन दोनों बेहद सादे और जमीन से जुड़े बच्चे हैं। मैंने वो सीरीज सिर्फ शाहरुख और उनके बेटे के लिये की थी। सच कहूं तो मुझे आर्यन के लिये बहुत अफसोस है, जो कुछ उसके साथ हुआ। मुझे उसके लिये सच में बहुत सहानुभूति है। वो बहुत अच्छा लड़का है और मैं बस उसके साथ खड़ा रहना चाहता था। आर्यन ने जब मुझसे कैमियो के लिये कहा, तो मैंने बिना कहानी सुने हां कर दी। दो दिन का शूट था, लेकिन बहुत मजा आया।

घमासान में निभाएंगे डाकू का किरदार

अपने दूसरे प्रोजेक्ट 'घमासान' के बारे में बात करते हुए अरशद ने बताया कि तिग्मांशु धूलिया की घमासान में मैंने एक एलीट डकैत का रोल किया है। रोल छोटा है, लेकिन असरदार है। लंबे वक्त बाद ऐसा किरदार किया जिसमें मजा आया। ऐसे रोल करने से याद आता है कि आप सच में एक्टर हैं, वरना कभी कभी लगता है कि बस 26 साल से जोक ही मार रहा हूं।

कभी-कभी अच्छा काम करने की भी मिलती है सजा

अपनी इमेज पर अरशद ईमानदारी से कहते हैं, देखिये, पहली फिल्म में अगर आप खराब काम करते हो, तो लोग आपको अच्छे रोल देंगे। लेकिन अगर पहली ही बार बहुत अच्छा काम कर लिया, तो जिन्दगी भर वही काम मिलता रहेगा। यही इस इंडस्ट्री की हकीकत है। कभी कभी अच्छा काम करने की भी सजा मिलती है।

जीतेंद्र कुमार ने फिल्म भागवत को अपने करियर का सबसे अलग रोल बताया

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर जीतेंद्र कुमार ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

इस फिल्म के डायलॉग राइटर सुमित सक्सेना मेरे अच्छे दोस्त हैं। हम पहले एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे जो हो नहीं पाया। फिर एक दिन उनका कॉल आया और उन्होंने कहा कि एक फिल्म है, कहानी सुननी है। मैं गया, डायरेक्टर से मिला और कहानी सुनकर तुरंत 'हां' कर दी। जो भी किरदार मैंने अब तक निभाए हैं, यह उन सबसे बिल्कुल अलग था। यही वजह थी कि मैं इस फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड था। मुझे मेरे और कॉप के बीच की केमेस्ट्री बहुत दिलचस्प लगी। इस किरदार के लिए मैंने करीब 5-6 दिन स्क्रिप्ट पढ़ी, टीम के साथ डिस्कशन किए और फिर जाकर परफॉर्म किया।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मैंने डायरेक्टर से पूछा था कि मुझे अपनी ओर से कुछ रिसर्च करनी चाहिए क्या? लेकिन उन्होंने मना कर दिया। बस जितनी ब्रीफिंग मिलती गई, उसी के आधार पर मैंने काम किया।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

मुझे लगता है जब दर्शक फिल्म के हर मोमेंट और हर किरदार को महसूस कर सकें, तो वही हमारी जीत है। अगर वो रियलाइजेशन स्क्रीन से दर्शकों तक ट्रांसलेट हो पाए, तो एक आर्टिस्ट के तौर पर यही सबसे बड़ी सफलता होगी। मुझे लगता है कि फिल्म में आयशा का किरदार जरूर लोगों को इंस्पायर करेगा।

नए शहर को समझने के लिए एक्ट्रेस सैयामी खेर का अपना अलग है स्टाइल, बताया रोम का एक्सपीरियंस

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल सैयामी खेर ने हाल ही में रोम में अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लिया। अपनी व्यस्त जीवनशैली के बावजूद,सैयामी ने अपनी यात्रा को खास बनाने के लिए दो चीजों को जोड़ा, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद हैं।पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। उन्होंने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर की यात्रा करती हैं तो वहां की सड़कों पर हाफ मैराथन दौड़ना उनका एक शहर को महसूस करने का एक तरीका होता है। सैयामी ने इस बार अपनी छुट्टियां अपने माता-पिता और बहन के साथ बिताई। उन्होंने रोम के खूबसूरत नजारों, ऐतिहासिक जगहों और स्वादिष्ट इटालियन व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने रोम हाफ मैराथन में भी हिस्सा लिया। इंटरव्यू में सैयामी ने कहा, मेरे लिए शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका पैदल या दौड़कर घूमना है। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रमुख जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा महसूस की।

सैयामी ने आगे बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बहुत अच्छा था और हवा ताजी थी। शहर के हर कोने में इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी, जो दौड़ को और भी खास बना रही थी। उन्होंने कहा, कुछ पल ऐसे भी आए जब मुझे लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और शहर के माहौल का आनंद ले रही थी। 21 किलोमीटर दौड़ने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और मैंने हर निवाले का पूरा आनंद लिया।

फैंस इन दिनों सैयामी की आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। यह फिल्म 2016 में बनी मलयालम फिल्म ओप्पम का रीमेक है।

रायगढ़ : छत्तीसगढ़ तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर : वित्त मंत्री ओपी

एजेंसी

रायगढ़ 3 नवंबर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर जिला मुख्यालय स्थित शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम का बीती देर शाम प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने शुभारंभ किया। मंत्री चौधरी ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सभी को रजत जयंती की हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि यह हमारे प्रदेश के लिए गर्व और आत्मगौरव का क्षण है कि छत्तीसगढ़ ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस राज्य की स्थापना का श्रेय श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की दूरदृष्टि और संकल्प को जाता है, जिनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ एक समृद्ध और प्रगतिशील राज्य के रूप में उभर सका है। यह रजत जयंती वर्ष प्रदेश की विकास यात्रा का प्रतीक है। वित्त मंत्री चौधरी ने प्रदेशवासियों से विजन 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब छत्तीसगढ़ भी उसी संकल्प के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान सात घंटे प्रदेश में व्यतीत कर अनेक विकास कार्यों की सौगात दी, जो हमारे लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राज्य निर्माण से पहले छत्तीसगढ़ की स्थिति चुनौतीपूर्ण थी, हमारे लौह अयस्क और वन संपदा का लाभ हमें नहीं मिल पाता था। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। राज्य निर्माण के बाद छत्तीसगढ़ ने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि जब छत्तीसगढ़ का गठन हुआ तब प्रदेश में एकमात्र शासकीय मेडिकल कालेल था, आज यह संख्या बढ़कर 14 हो चुकी है और जल्द ही 20 से अधिक होने जा रही है। एमबीबीएस सीटें 100 से बढ़कर 2000 तक पहुंचने वाली हैं।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज प्रदेश में आईआईटी, आईआईएम, एनआईटी, आईआईआईटी जैसे राष्ट्रीय स्तर के अनेक संस्थान संचालित हैं, जो छत्तीसगढ़ की शैक्षणिक प्रगति के प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में रायगढ़ जिला लगातार विकास की ओर अग्रसर है। रायगढ़ में उद्योग के साथ-साथ शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। नालंदा परिसर का निर्माण लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। संस्कृत महाविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, उद्यानिकी महाविद्यालय और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे हैं। वित्त मंत्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में ऑक्सीजोन पार्क, एथलेटिक ट्रैक, स्विमिंग पूल, क्रिकेट व फुटबॉल ग्राउंड सहित नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण एवं नगरीय विकास के कार्य भी तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक सिदार, सभापति डिग्रीलाल साहू, नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग, जिला पंचायत सदस्य सुषमा खलखो, जनपद पंचायत रायगढ़ अध्यक्ष सुजाता चौहान, पुसौर जनपद अध्यक्ष हेमलता चौहान, अरूणधर दीवान, श्रीकांत सोमावार, सुभाष पाण्डेय, विकास केडिया, पूनम सोलंकी, गोपाल अग्रवाल, बृजेश गुप्ता, जतीन साव, बलबीर शर्मा, अशोक अग्रवाल, कलेक्टर मयंक चतुवेर्दी, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, डीएफओ अरविंद पीएम सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार व्यक्त सीईओ जिला पंचायत अभिजीत बबन पठारे ने किया।

स्कूली बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति

राज्योत्सव समारोह के प्रथम दिन आज शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में स्कूली बच्चों ने शानदार मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसमें सोमादास एवं ग्रुप द्वारा गणेश वंदना, डॉ.दीपिका सरकार एवं ग्रुप द्वारा शिव स्त्रोत नृत्य, कुमारी मानवी अग्रवाल द्वारा कथक, कार्मेल कन्या स्कूल के विद्यार्थियों ने मराठी लोकनृत्य सहित अन्य स्कूली बच्चों ने कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

अखंड समाज, सार्वभौम व्यवस्था के संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ जीवन विद्या सम्मेलन

बांदा : प्रकृति के साथ संतुलन कायम करते हुए प्राकृतिक खेती सहित अन्य व्यवसाय करने की बुंदेलखंड के किसानों की पहल पर बांदा में आयोजित किया गया 27वां जीवन विद्या सम्मेलन मध्यस्थ दर्शन के सूत्र वाक्य अखंड समाज सार्वभौम व्यवस्था को कायम करने के संकल्प के साथ समाप्त हो गया। बांदा में बडोखर खुर्द गांव स्थित प्रेम सिंह की बगिया में पिछले चार दिनों से चल रहे इस सम्मेलन में नेपाल सहित देश के सभी राज्यों के प्रगतिशील किसान एवं समाजिक काय्रकर्ता शिरकत कर रहे थे। मध्यस्थ दर्शन के प्रणेता श्री ए नागराज की पुण्य स्मृतियों को संजोते हुए सम्मेलन के अयोजक प्रगतिशील किसान प्रेम सिंह ने समापन सत्र में संतोषप्रद जीवन की तलाश को पूर्ण बनाने में आवर्तनशीलता, क्रिया पूर्णता ओर आचरण पूर्णता को एकमात्र सूत्र बताया। उन्होंने इस सम्मेलन को आहूत करने के पीछे मध्यस्थ दर्शन के सूत्रों को ही सबसे बडी ताकत बताया। इस दौरान 28वां जीवन विद्या सम्मेलन छत्तीसगढ के रायपुर में आयोजित करने का फैसला किया गया। समापन सत्र में वरिष्ठ गांधीवादी विचारक सत्यप्रकाश भारत ने युवा पीढी के मन में मध्यस्थ दर्शन को अपने जीवन में लागू करने के प्रति लगातार बढ रहे रूझान को भविष्य का बेहतर संकेत बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के सम्मेलन से शिक्षा का सही मायने में मानवीकरण हो पाता है। उन्होंने कहा कि अब तक तमाम विचारधाराओं के माध्यम से लोगों की भीड जरूर जुटा ली जाती है। लेकिन इस भीड में मानव का नितांत अभाव साफ झलकता है। उन्होंने कहा कि नागराज का मध्यस्थ दर्शन सही मायने में मानव निर्माण की प्रक्रिया को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन सम्मेलनों में शिरकत करने वाले युवा मानवीय गुणों से युक्त होते हैं, यही वजह है कि ऐसे सम्मेलन आयोजित करने में आयोजकों को काई मशक्कत नहीं करनी पडती है। मानवीय गुणों से युक्त ये युवा स्वयं अपनी जिम्मेदारी तय करके उसे वहन भी करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कारवां अब आने वाले समय में और अधिक तेज गति से आगे बढेगा।सम्मेलन के आयोजक मंडल के वरिष्ठ सदस्य आशीष प्रधान ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि कार्पोरेट जगत छोडने के बाद गांव में आकर बतौर किसान जीवन यापन करने का फैसला करने के पीछे जीवन विद्या से मिला आत्मबल ही उनकी सबसे बडी ताकत है। प्रधान ने कहा कि मौजूदा दौर में समाज ने संसाधन भरपूर मात्रा में जुटा लिए, लेकिन इनका युक्तिपूर्ण वितरण करने में हो रही चूक के कारण ही सामाजिक असंतोष का सिलसिला अब हर सफल इंसान के जीवन में व्याप्त असंतोष तक पहुंच गया है। संसाधनों की अधिकता का ही परिणाम आज चल रहे युद्ध हैं। युद्ध की विभीषिका में न केवल तमाम देश उलझे हुए हैं, बल्कि हमारे परिवार और समाज में भी अघोषित युद्ध जैसी स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि वैचारिक समझ के अकाल के इस दौर में मध्यस्थ दर्शन ही उम्मीद की राह दिखाता है। सम्मेलन में वरिष्ठ गांधीवादी विचारक मृत्युंजय ने कहा कि 20वीं सदी का सबसे बडा योगदान मध्यस्थ दर्शन ही है, जो आज की अशांत दुनिया के लिए संतोषप्रद जीवन जीने की कला का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि 1400 साल पहले योग सूत्र का दर्शन दुनिया को मिला था। इतने लंबे अंतराल के बाद ए नागराज जी द्वारा मध्यस्थ दर्शन का प्रतिपादन होना, भारत की ओर से दुनिया के लिए अमूल्य संचित निधि से कम नहीं है। आशीष प्रधान ने सम्मेलन की उपलब्धिया का जिक्र करते हुए बताया कि पूरे आयोजन की जिम्मेदारी गांव और समाज के लोगों ने निभाई। यह दशार्ता है कि प्रेम सिंह की बगिया से मध्यस्थ दर्शन के सहअस्तित्व का असर अब गांव और समाज तक पहुंचने लगा है। इस दौरान प्रबोधक रण सिंह आर्य, सुरेन्द्र पाल ने भी इस आयोजन को सफल बताते हुए सभी सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नशे के लिए रूपए न देने पर युवक ने की खुदकुशी

बांदा : नशे के लिए रूपए न देने से नाराज युवक ने सूने घर में छप्पर की धन्नी में रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। मौत की खबर मिलते ही घरवालों में चीख पुकार मच गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उत्तर प्रदेश के बांदा शहर के बिजली खेड़ा मोहल्ला निवासी 32 वर्षीय ओमप्रकाश पुत्र सत्यनारायण ने रविवार की सुबह कमरे के अंदर छप्पर की धन्नी में रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। काफी देर बाद मौके पर पहुंचे पिता ने देखा तो दरवाजे बंद थे। उसने कुंड़ी खटखटाई लेकिन अंदर से कोई हरकत नहीं हुई। किसी तहर दरवाजा खोल कर परिजन कमरे के अंदर पहुंचे देखा तो उसका शव फंदे से लटक रहा था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेसिक टीम ने जांच पड़ताल किया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के पिता ने बताया कि ओमप्रकाश मजदूरी करता था। पांच वर्ष पहले उसकी पत्नी अंजना की मौत हो गई थी। पत्नी की मौत के बाद से वह नशे का आदी हो गया था। वह रविवार की सुबह मां से नशे के लिए रूप्ए मांग रहा था। मां ने रूपए देने से इंकार कर दिया। इसी से नाराज होकर उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया। कोतवाली प्रभारी बलराम सिंह घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव का आज पोस्टमार्टम कराया गया।

नशे में बेटे ने की मां की हत्या, विरोध करने पर दबाया गला

मीरजापुर, 3 नवंबर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर के जिगना थाना क्षेत्र के बघेड़ा कला गांव में रविवार देर रात शराब के नशे में बेटे ने अपनी ही मां की जान ले ली। घरेलू विवाद ने इस कदर भयावह रूप ले लिया कि पूरा गांव दहशत में आ गया। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 10 बजे रामसूरत बिंद पुत्र स्व. दुखी बिंद, निवासी बघेड़ा कला, शराब के नशे में घर पहुंचा और अपनी पत्नी सुनीता देवी को गाली-गलौज व मारपीट करने लगा। यह देख उसकी 65 वर्षीय मां चमेलिया देवी ने बेटे को रोकने की कोशिश की। इससे नाराज रामसूरत ने अपनी मां पर हमला कर दिया और गला दबाने लगा। परिजन किसी तरह बीच-बचाव कर बेहोश पड़ी चमेलिया देवी को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर थानाध्यक्ष जिगना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के दूसरे पुत्र राममूरत बिंद की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी रामसूरत बिंद को हिरासत में ले लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रितेश सिंह ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जबलपुर के अंजुमन स्कूल का शुक्रवार को छुट्टी का आदेश निरस्त: शिक्षा मंत्री

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित अंजुमन स्कूल ने शुक्रवार को छुट्टी और रविवार को कक्षाएं लगाने के आदेश पर मध्य प्रदेश सरकार ने तत्काल कार्रवाई की है। रविवार को राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बताया कि यह आदेश निरस्त कर दिया गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि प्रदेश में अब तक 60 से 65 मदरसों पर भी इसी तरह की कार्रवाई कर उन्हें बंद किया गया है। दरअसल, अंजुमन स्कूल के प्राचार्य ने हाल ही में एक आदेश जारी किया था, जिसमें संस्था के सभी स्कूलों में शुक्रवार को अवकाश रखने और रविवार को कक्षाएं संचालित करने का निर्देश था। यह आदेश सामने आते ही विवादों में आ गया। सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी किया और आदेश को रद्द कर दिया। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने रविवार को इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अंजुमन स्कूल ने अपने स्तर पर शुक्रवार की छुट्टी का फरमान जारी किया था। जानकारी मिलते ही आदेश तत्काल रद्द कर दिया गया और रविवार की विधिवत छुट्टी बहाल की गई। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों की जांच की जा रही है और कानून के दायरे में आने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में शिक्षा विभाग एक मजबूत प्रणाली के तहत काम कर रहा है। डीओएस, डीपीसी, बीओएस और वीआरसी जैसे अधिकारी लगातार निगरानी रखते हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में लाखों स्कूल हैं और किसी भी स्तर पर जानकारी मिलने पर, चाहे वह शासन, जिला प्रशासन, मीडिया या किसी सामाजिक संगठन से हो, विभाग तुरंत कार्रवाई करता है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश में अब तक 60 से 65 ऐसे मदरसे पाए गए हैं जो नियमों के विपरीत संचालित हो रहे थे। इन सभी को बंद किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कुछ मदरसों में गरीब तबके के हिंदू बच्चे भी पढ़ रहे थे, जिन्हें अब शासकीय स्कूलों में नामांकित किया गया है।

उज्जैन: महाकाल का भस्म आरती में हुआ राजा स्वरूप श्रृंगार, शाम को करेंगे नगर भ्रमण

उज्जैन : मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में आज सोमवार को कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी और चतुर्दशी तिथि पर अलसुबह भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल राजा स्वरूप में श्रृंगार हुआ। भगवान के इस अलौकिक स्वरूप से हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वहीं, उज्जैन में कार्तिक-अगहन मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में आज शाम बाबा महाकाल की कार्तिक मास की दूसरी सवारी निकलेगी। अवंतिकानाथ चांदी की पालकी में सवार होकर नगर का भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जानेंगे। इस महाकाल दो स्वरूपों में भक्तों को दर्शन देंगे। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि सोमवार अलसुबह 4 बजे भस्म आरती के लिए महाकालेश्वर मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक और दूध,दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत पूजन किया। जटाधारी भगवान महाकाल को रजत त्रिपुण्ड और कमल पुष्प की माला अर्पित कर राजा स्वरूप श्रृंगार किया गया। इससे पहले प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश करते ही भगवान ध्यान कर मंत्र उच्चार के साथ हरिओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद भगवान के मस्तक पर भांग चन्दन और त्रिपुण्ड अर्पित कर श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। महा निवार्णी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गयी। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ साथ सुगन्धित पुष्प से बनी फूलों की माला अर्पित की गई, साथ ही मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण कराए गए और फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया। मान्यता है कि भस्म अर्पित करने के बाद भगवान निराकार से साकार रूप में दर्शन देते हैं। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर बाबा महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। शाम को सवारी में दो स्वरूप में दर्शन देंगे महाकाल श्रावण-भाद्रपद माह की तरह श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक-अगहन मास में भी सवारियां निकाली जाती हैं। इसी क्रम में आज सोमवार को महाकालेश्वर मंदिर से शाम चार बजे भगवान महाकाल की कार्तिक माह की द्वितीय सवारी राजसी ठाट-बाट के साथ निकाली जाएगी। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि सवारी निकलने से पूर्व मंदिर परिसर स्थित सभामण्डप में भगवान महाकाल का विधिवत पूजन-अर्चन होगा। इसके बाद भगवान महाकालेश्वर चांदी की पालकी में चंद्रमौलेश्वर तथा हाथी पर मनमहेश रूप में सवार होकर अपनी प्रजा को दर्शन देने व उनका कुशलक्षेम जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे। भगवान महाकाल की सवारी कोट मोहल्ला, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए शिप्रा तट पर पहुंचेगी, मां क्षिप्रा के जल से पूजन के पश्चात भगवान श्री चंद्रमौलेश्वर की सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोड की धर्मशाला, कार्तिक चोक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चोराहा, छत्री चोक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी चोराहा होते हुए पुनः महाकाल मंदिर पहुंचेगी। सवारी में इस बार भी श्री महाकालेश्वर बैंड, पुलिस बैंड, घुड़सवार दल, सशस्त्र पुलिस बल के जवान आदि शामिल रहेंगे। महाकालेश्वर भगवान की तृतीय सवारी 10 नवम्बर 2025 तथा चतुर्थ (राजसी) सवारी 17 नवम्बर 2025 को निकाली जाएगी।

न्यूज IN ब्रीफ

मप्रः मुख्यमंत्री आज बिजली बिल बकायादारों के लिए समाधान योजना का करेंगे शुभारंभ

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज सोमवार को सुबह 10 बजे एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी क्षेत्रीय कार्यालय ई-4, अरेरा कॉलोनी भोपाल से ऊर्जा विभाग द्वारा लागू की जा रही समाधान योजना 2025-26 का शुभारंभ करेंगे। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विलंबित बिल के भुगतान पर सरचार्ज में भारी छूट दी गयी है, जो 3 नवम्बर से 28 फरवरी, 2026 तक रहेगी। पहला चरण 3 नवम्बर से 31 दिसम्बर, जिसमें 60 प्रतिशत से 100 प्रतिशत सरचार्ज माफ रहेगा। दूसरा चरण एक जनवरी से 28 फरवरी, 2026 तक होगा, जिसमें 50 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ रहेगा। भुगतान विकल्प में एकमुश्त भुगतान पर अधिकतम छूट और 6 किश्तों में भुगतान की आसान सुविधा रहेगी। कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक अविनाश लवानिया, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

इंदौर में आज युवा संगम कार्यक्रम, 500 से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार पाने का मौका

इंदौर : मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में राज्य शासन की मंशा अनुसार बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह मेले आयोजित हो रहे हैं। इसी के तहत एक संयुक्त रोजगार मेला (युवा संगम) आज सोमवार को प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय (जिला उद्योग केन्द्र परिसर) में आयोजित किया जा रहा है। उक्त रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरे अवसर के साथ-साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रक्रिया बावत मार्गदर्शन भी दिया जायेगा। साथ ही रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियों में 500 से अधिक रिक्त पदो की पूर्ति की जाएगी। उक्त कम्पनियों में कम्प्यूटर सपोर्ट, फार्मासिष्टअ, सैल्स, बीपीओ, हैल्पर, पैकिंग टेक्नीशियन जैसे- (फिटर/इलेक्ट्रीशियन / टर्नर / मशीनिष्ट, वैल्डर आदि), डिजीटल मार्केटिंग आदि के विभिन्न पदों हेतु आकर्षक वेतन पर युवाओं का चयन होगा। रोजगार प्रदान करने हेतु कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदको के साक्षात्कार लेकर प्रारम्भिक रूप से चयन करेंगे। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की पाँचवीं से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास एवं तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक भी उक्त पदों हेतु रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते है। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदकों से अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियों एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लेकर आने की अपील की गई है।

रायपुर : भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्वविजेता बनने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्वविजेता बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय महिला खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन, समर्पण और अदम्य जज्बे से देश का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि पूरे भारत के लिए गौरव का क्षण है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत हर उस बेटी के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती है। मुख्यमंत्री साय ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि को ह्लपरिश्रम, आत्मविश्वास और संकल्प की जीतह्व बताते हुए कहा कि यह जीत देशभर में महिला खेल प्रतिभाओं को नई दिशा देगी।

मध्य प्रदेश में फिर बदलेगा मौसम, दो सिस्टम हुए एक्टिव, अगले 48 घंटे बारिश और ठंडी हवाओं का अलर्ट

भोपाल : मध्य प्रदेश में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। लो प्रेशर एरिया (निम्न दबाव क्षेत्र) और साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवाती तंत्र) के सक्रिय होने से अगले दो दिन राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में बूंदाबांदी के साथ बादल छाए रहेंगे, जबकि पश्चिमी जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इससे पहले रविवार को प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में धूप खिली रही, जिससे दिन का तापमान 1 से 2.9 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया। भोपाल में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस, इंदौर में 30.1, ग्वालियर में 31, उज्जैन में 30 और जबलपुर में 29.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दतिया, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, रतलाम, श्योपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, खजुराहो, मंडला, नौगांव, सतना और उमरिया में तापमान 30 डिग्री या उससे अधिक रहा।

दो दिन रहेगा सिस्टम का असर

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को राज्य के उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक निम्न दबाव क्षेत्र और एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन सक्रिय हुआ, जिसका प्रभाव सोमवार और मंगलवार तक बना रहेगा। अगले 48 घंटों के दौरान भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर, सागर और जबलपुर संभाग के 30 से अधिक जिलों में बादल, आंधी, गरज-चमक और हल्की बारिश का मौसम रहेगा।

नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा

मौसम विभाग विभाग ने बताया कि 4 नवंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय होने की संभावना है। इसका असर मध्य प्रदेश में 48 घंटे बाद यानी 6 नवंबर के आसपास दिखेगा। इसके चलते उत्तरी हवाएं तेज होंगी और दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। नवंबर के दूसरे सप्ताह से प्रदेश में ठंड का असर बढ़ने की संभावना है। विशेष रूप से ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में, जहां उत्तरी हवाएं सीधी पहुंचती हैं, पारा तेजी से लुढ़क सकता है।

न्यूज IN ब्रीफ

अष्टभुजी मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान की बनी रूपरेखा

हरिहरगंज : पलामू जिले के पिपरा प्रखंड के सरैया पंचायत अंतर्गत पुनपुन उद्गम स्थल कुंड पर रविवार को हुई पुनपुन उद्गम स्थल विकास समिति की बैठक में अष्टभुजी मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान की रूपरेखा तैयार की गई। साथ-साथ उद्गम स्थल के विकास को लेकर की गहन विमर्श किया गया। समिति के अध्यक्ष डा रविकांत तिवारी की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों कुंड पर आने-जाने से संबंधित रास्ते को भी दुरुस्त करने की जरूरत पर बल दिया। बैठक में समिति के युवा मोर्चा के अध्यक्ष सागर सिंह ने बताया कि सरैया से पिठारी गांव होते हुए कुंड पर करीब तीन किलोमीटर रोड काफी जर्जर है।

इसके कारण लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंदिर परिसर में बिजली नहीं रहने से भी काफी दिक्कत होती है। समिति के उपाध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि पुनपुन उद्गम स्थल को पर्यटन स्थल क्षेत्र घोषित करने की मांग को लेकर विभागीय मंत्री एवं पलामू डीसी को आवेदन दिया जाएगा। पुनपुन उद्गम स्थल की ख्याति झारखंड, बिहार राज्य में फैली है। बड़ी संख्या में लोग यहां छठ पर्व करने के लिए भी आते है। पंचायत की मुखिया प्रियंका तिवारी ने कहा कि मंदिर परिसर क्षेत्र का विकास तेजी से हो इसके लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। लाइट व पानी की भी व्यवस्था भी करने की जरूरत है। बैठक में समिति के सचिव प्रफुल्ल पाठक, सीधी सिंह, दिनेश सिंह, विजय गुप्ता, सुनिल सिंह, नितिश सिंह, दिलिप तिवारी आदि उपस्थित थे।

सेफ्टी टॉक में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जमशेदपुर : सीआईआई झारखंड ने 31 अक्तूबर और 1 नवंबर को सेफ्टी टॉक का आयोजन किया। इसमें 300 से अधिक प्रतिनिधियों और 800 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिससे कार्यस्थल पर सुरक्षा बढ़ाने पर सार्थक चचाओं के लिए मंच तैयार हुआ। प्रतिभागियों ने सुरक्षा में सुधार के लिए व्यावहारिक रणनीतियों पर चर्चा की और जोखिम को कम करते हुए जीवन की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। सम्मेलन में वक्ताओं ने उन्नत सुरक्षा रणनीतियों और सभी उद्योगों में एक सुरक्षित भविष्य के लिए मिल कर काम करने पर गहन विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा केवल औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर प्रक्रिया का मूलभूत हिस्सा होनी चाहिए।

उन्होंने जोखिम-मुक्त कार्य प्रवाह तैयार करने, नियमित सुरक्षा ऑडिट करने और उपकरणों व सुरक्षा उपायों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित करने के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता पर चर्चा की। प्रमुख वक्ता के रूप में सीईओ एवं एमडी, हाईको इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के तापस साहू, एसोसिएट वाइस प्रेसीडेंट, आरएसबी ट्रांसमिशन (इंडियाना) लिमिटेड के बिश्वजीत जेना, एब्रेस्ट के इंजीनियरिंग कंपनी पार्टनर अमरजीत सिंह और पार्टनर, हिमालय एंटरप्राइजेज के राजीव शुक्ला उपस्थित थे। सत्र के दौरान प्रमुख वक्ता टाटा स्टील टिनप्लेट डिवीजन के ईआईसी उज्ज्वल चक्रवर्ती, जीएम-सुरक्षा, एसएसओ सेल के सुरेश कुमार और प्रमुख सुरक्षा (उत्पादन), टाटा पावर कंपनी लिमिटेड के अभिजीत सेन दास मौजूद थे।

सात को क्रांति दिवस मनायेगी भाकपा माले

धनबाद : भाकपा माले नगर कमेटी की बैठक रविवार को टेंपल रोड पुराना बाजार स्थित पार्टी कार्यालय में हुई. अध्यक्षता माले के नगर सचिव विजय कुमार पासवान ने की. भाकपा माले जिला सचिव बिंदा पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार केंद्र में सत्ता का दुरुपयोग कर रही है. झारखंड के भी जल, जंगल, जमीन को लूटने के लिए कार्पोरेट घरानों के हवाले कर दिया है, इसके खिलाफ संघर्ष की जरूरत है.

झारखंड में सरकार को अस्थिर करने का प्रयास

वहीं वरिष्ठ नेता हरिप्रसाद पप्पू ने कहा कि मोदी सरकार झारखंड में चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है. नक्सलवाद के नाम पर झारखंड के आदिवासी व मूलवासियों को टारगेट किया जा रहा है. इसके खिलाफ संघर्ष करना होगा. बैठक में सात नवंबर को क्रांति दिवस पर निरसा कार्यालय में कार्यक्रम करने और 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती पर बैंक मोड़ स्थित बिरसा मुंडा चौक पर सभा करने का निर्णय लिया गया. मौके पर राज्य कमेटी के सदस्य आनंदमयी पाल, सुवास प्रसाद सिंह, सुभाष चटर्जी, विजय कुमार पासवान, राणा चटराज, कल्याण घोषाल, राजेंद्र पासवान, भोला ताम्रकार, वेद प्रकाश सिंह, भूषण महतो, विकास साव, शुभम पासवान, करण पासवान उपस्थित थे.

कार्तिक पूर्णिमा पांच को, मनेगी देव दीपावली

धनबाद : कार्तिक पूर्णिमा पांच नवंबर बुधवार को है। इसी दिन देव दीपावली मनाई जाएगी। दरअसल चार नवंबर मंगलवार की रात 10:36 बजे पूर्णिमा तिथि का प्रवेश हो रहा है। इसलिए उदया तिथि में पांच नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा मनायी जाएगी। इस दिन स्नान-दान का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इसलिए कई लोग इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करते हैं। शिववास और अमृतसिद्धि योग में कार्तिक पूर्णिमा इस कार्तिक पूर्णिमा कई शुभ योग बन रहे हैं। धनबाद के अक्षांश के अनुसार मंगलवार चार नवंबर की रात को 10:36 बजे पूर्णिमा तिथि का प्रवेश हो रहा है, जो कि पांच नवंबर दिन बुधवार की संध्या 6:49 बजे तक रहेगी।

इस दिन शिववास और अमृतसिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। पंचांग के अनुसार इस दिन भद्रा भी है। पूर्णिमा के प्रवेश के साथ ही भद्रा लग जा रहा है, जो कि बुधवार को सुबह 8:44 बजे तक रहेगा। हालांकि बुधवार को लगने वाला भद्रा भद्रिका कहलाता है। पूर्णिमा अर्थात पूर्वाद्ध का भद्रा दिन में अशुभ होता है। घर-मंदिरों में मनेगी देव दीपावली कार्तिक पूर्णिमा पर शक्ति मंदिर, खड़ेश्वरी मंदिर, भुईंफोड़ मंदिर सहित सभी मंदिरों में दीपदान महोत्सव होगा। कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली मनाई जाती है। भक्त घर-मंदिर में दीप दान करेंगे। इस्कॉन मंदिर में दीपदान महोत्सव के साथ भजन-कीर्तन होगा।

एमडीओ मोड पर मधुबन कोलियरी देने का विरोध तेज

बाघमारा : बंद पड़ी मधुबन कोलियरी को एमडीओ मोड पर आउटसोर्सिंग कंपनी को देने के बीसीसीएल प्रबंधन के फैसले के खिलाफ स्थानीय रैयतों व ग्रामीणों का आंदोलन रंग लाने लगा है। लगातार विरोध के बीच यह मुद्दा अब विधानसभा तक पहुंच गया है। 10 नवंबर को विधानसभा की प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति की विशेष टीम ने जिला प्रशासन, बीसीसीएल के वरीय अधिकारियों और रैयत-किसान निगरानी समिति के सदस्यों को तलब किया है। इधर रविवार को मधुबन समेत आसपास के गांवों के बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, किसान और रैयत बंद मधुबन कोलियरी कार्यालय स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में जमा हुए और आउटसोर्सिंग प्रबंधन व बीसीसीएल के खिलाफ नारेबाजी की। बैठक में चार प्रमुख निर्णय लिए गए।

घाटशिला उपचुनाव : 13 प्रत्याशियों में 9 पहली बार मैदान में

संवाददाता

घाटशिला : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव इस बार नए चेहरों की मौजूदगी से और भी दिलचस्प बन गया है। चुनावी मैदान में कुल 13 प्रत्याशी हैं, जिनमें से नौ पहली बार किस्मत आजमा रहे हैं। यानी करीब 70 फीसदी उम्मीदवार राजनीतिक पारी की शुरूआत कर रहे हैं। ये सभी नए प्रत्याशी जनता के बीच खुद को स्थानीय मुद्दों और विकास के एजेंडे पर मजबूत विकल्प के रूप में पेश करने में जुटे हैं।

मुख्य मुकाबला फिलहाल सत्तारूढ़ झामुमो के सोमेश चंद्र सोरेन और भाजपा के बाबूलाल सोरेन के बीच है। एक तरफ झामुमो अपने दिवंगत नेता रामदास सोरेन की विरासत पर भरोसा जता रहा है तो दूसरी ओर, भाजपा संगठन और मोदी सरकार की योजनाओं के दम पर मैदान में उतरी है।

जेएलकेएम मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटा : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के प्रत्याशी रामदास मुर्मू इस बार मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटे हैं। इसके अलावा, भारत आदिवासी पार्टी के पंचानन सोरेन और पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया (डेमोक्रेटिक) की पार्वती हांसदा सहित कई निर्दलीय प्रत्याशी भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इनमें अधिकतर उम्मीदवार सामाजिक कार्यकर्ता या क्षेत्रीय स्तर के जनसेवक हैं।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि घाटशिला उपचुनाव के समर में इतने नए चेहरों के मैदान में उतरने से मतों का बिखराव तय है, जिससे मुख्य प्रतिद्वंद्वियों के लिए समीकरण और कठिन हो सकते हैं। अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जनता परंपरा तोड़ेगी या फिर पुराने दिग्गजों पर ही भरोसा जताएगी।

हालांकि जानकार यह भी मानते हैं कि मुख्य मुकाबल चंपाई सोरेन के पुत्र बाबूलाल सोरेन और झारखंड सरकार के दिवंगत मंत्री स्व. रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश चंद्र सोरेन के बीच ही है। वहीं झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा (जेएलकेएल) ने प्रत्याशी उतारकर इस मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

साकची थाना प्रभारी आनंद कुमार मिश्रा अपने उत्कृष्ट कार्य से पहचाने जाते हैं

ज्योति पाठक

जमशेदपुर : जमशेदपुर के मुख्य थाना के रूप में पहचाने जाने वाले साकची थाना के थाना प्रभारी आनंद कुमार मिश्रा अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यों से थाना में बेहतर माहौल के साथ साथ आमलोगों के साथ प्रगाढ़ संबंध बनाने में सफल रहे।

1994 बैच के पुलिस निरीक्षक आनंद कुमार मिश्रा डीएसपी पद के कगार पर भी हैं श्री मिश्रा झारखंड पुलिस का नाम भी दिल्ली और मुम्बई में मैराथन दौड़ में सफल होकर झारखंड पुलिस का नाम गौरवान्वित किया है इनके इस उपलब्धि पर पुलिस मुख्यालय के वरीय पदाधिकारियों ने भी उनकी प्रशंसा की। श्री मिश्रा अपराध नियंत्रण, अपराधियों की धर पकड़ तथा बेहतर विधि व्यवस्था के फलस्वरूप बेहतर और उत्कृष्ट पुलिस निरीक्षक माने जाते हैं इससे पूर्व वे रांची जिला के अरगोड़ा थाना में पदस्थापित रह चुके हैं तथा सरायकेला जिला में भी उनकी पद स्थापना रही है।

रायरंगपुर और बादामपहाड़ स्टेशन का विकास कार्य 15 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य

जमशेदपुर : रायरंगपुर और बादामपहाड़ स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने का काम 15 दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। चक्रधरपुर मंडल के ओडिशा क्षेत्र स्थित इन दोनों स्टेशनों के विकास कार्यों पर रेलवे की कड़ी नजर है। दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में समाप्त करने के निर्देश दिए हैं। दोनों स्टेशनों का विकास अमृत भारत स्कीम के तहत किया जा रहा है। मंडल प्रशासन का प्रयास है कि 15 दिसंबर के बाद स्टेशन पूरी तरह विकसित रूप में यात्रियों के लिए उपलब्ध हो, ताकि रेलवे बोर्ड की योजना के अनुरूप सभी मूलभूत सुविधाएं यहां दी जा सकें। बताया बताया जाता है कि रायरंगपुर और बादामपहाड़ स्टेशनों से टाटानगर के लिए रोज तीन जोड़ी मेमू ट्रेनें चलती हैं। साथ ही शालीमार और राउरकेला से साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें भी एक-एक फेरा लगाती हैं। ट्रेन सुविधा बढ़ने से यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ है। रेलवे दोनों स्टेशनों पर नया स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल, फुट ओवरब्रिज, टिकट केंद्र और शौचालय जैसी सुविधाओं को बढ़ाने का काम हो रहा है। भविष्य में बादामपहाड़ और रायरंगपुर से बांगडीपोसी और क्योंझर स्टेशन को जोड़ने की योजना है। इससे ओडिशा के अन्य क्षेत्रों के यात्रियों को भी बेहतर सुविधा मिलेगी और बढ़ते दबाव के बावजूद किसी को परेशानी नहीं होगी।

एकतल्ला में अवैध बालू ले जाते टैक्टर जब्त

दुमका : शविवार के रात्रि एक बजे रानेश्वर थाना अंतर्गत रानेश्वर शिवडी मुख्य मार्ग एकतल्ला में अवैध बालू ले जाते टैक्टर को जब्त किया गया ' टैक्टर मालिक,चालक एवं संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ रानेश्वर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवायी है।

कारोबारी से रंगदारी के लिए फायरिंग में जमशेदपुर से प्रिंस खान के दो और शूटर गिरफ्तार

संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर के कदमा शास्त्रीनगर से पुलिस ने शनिवार सुबह गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान गिरोह से जुड़े दो और शूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर रंगदारी नहीं देने पर सीतारामडेरा के कारोबारी और ठेकेदार हरेराम सिंह के घर पर हुई फायरिंग में शामिल रहने का आरोप है। दोनों के नाम कोंदू और राजेश हैं। कोंदू ने पिट्ठू लादकर लगातार फायरिंग की थी, जबकि राजेश स्कूटी चला रहा था। दोनों शूटरों के खिलाफ आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और आपराधिक षड्यंत्र के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के सरगना सुजीत सिन्हा और प्रिंस खान जेल में रहते हुए भी अपने गुर्गों के माध्यम से हत्या, रंगदारी और आगजनी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों अपराधियों का नाम रांची में गिरफ्तार दशरथ शुक्ला के बयान में आया था। दशरथ ने अपने बयान में बताया था कि वह और उसके साथी गैंगस्टर सुजीत सिन्हा, प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा की पत्नी रिया सिन्हा के लिए रांची और जमशेदपुर में काम करते हैं। वर्ष 2019 में जमशेदपुर के घाघीडीह जेल में दशरथ शुक्ला की मुलाकात कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा से हुई थी। इसके बाद से सभी उसके संपर्क में रहे और रंगदारी वसूलने में शामिल रहे। दशरथ शुक्ला के बयान के मुताबिक, 2 अक्तूबर 2025 को वह अपने साथी बमार्माइंस के आकाश कुमार सिंह के साथ रांची गया था। वहां कांके-चौटनी चौक के पास गैंग के सदस्यों बबलू खान, मो. सिराज उर्फ मदन और मो. शाहिद से काली रंग की कार में छह पिस्टल और 30 जिंदा कारतूस लिए। इनमें से तीन पिस्टल और 25 कारतूस को उन्होंने जमशेदपुर के अपराधियों राजेश (केबल टाउन), काशीडीह निवासी कोदू उर्फ कोदू पाजी (काशीडीह) और गाढ़ाबासा निवासी गोपला को सौंप दिया था। दशरथ के मुताबिक, 10 अक्तूबर की सुबह लगभग 5 बजे तीनों ने सीतारामडेरा स्थित हरेराम सिंह के आवास पर रंगदारी वसूलने के लिए गोलीबारी की थी। यह फायरिंग गैंगस्टर सुजीत सिन्हा और रिया सिन्हा के निर्देश पर की गई। दशरथ बुंडू में एक बिना नंबर प्लेट की काली स्कॉर्पियो को हथियार देने पहुंचा था। इस दौरान पुलिस ने छापेमारी कर उसे दबोच लिया। उसके पास से पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए। रांची में इस मामले में दशरथ शुक्ला गोलमुरी, आकाश कुमार सिंह लक्ष्मीनगर, बमार्माइंस, रांची के बबलू खान, मो. सिराज उर्फ मदन, मो. शाहिद, राजेश, गोलमुरी, कोंदू उर्फ कोदू पाजी, काशीडीह, गोपला, गोलमुरी, सुजीत सिन्हा, उसकी पत्नी रिया सिन्हा, दुबई से गिरोह चला रहे प्रिंस खान पर केस किया गया। उसके बाद पुलिस ने ट्यूब बारीडीह में गोपला को एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था, जबकि आकाश की गिरफ्तारी डिमना रोड से की गई थी।

ईसाईयों ने ऑल सोल डे मना कर किया पूर्वजों को याद

संवाददाता

धनबाद : ईसाई धर्मावलंबियों ने रविवार को ऑल सोल डे मना कर अपने पूर्वजों को याद किया। प्रातः तीन बजे संत एंथोनी चर्च के सभी ईसाई धर्मावलंबी जोड़ाफाटक स्थित कब्रिस्तान पहुंचे, जहां अपने मृत परिवार के सदस्यों एवं प्रियजनों को याद करते हुए कब्र पर फूल चढ़ाया। मोमबत्तियां जलाकर उनकी स्मृति में प्रार्थना की। कैथोलिक ईसाई प्रत्येक वर्ष दो नवंबर को ऑल सोल डे अर्थात आत्माओं के दिन के रूप में मनाते हैं। इस दिन कब्रिस्तान में अपने प्रियजनों की कब्र पर फूल चढ़ाकर और मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हैं। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

कब्रिस्तान में प्रार्थना सभा का आयोजन ऑल सोल डे पर जोड़ाफाटक स्थित कब्रिस्तान में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसमें प्रमुख फादर अमातुस कुजूर ने अपने उपदेश में कहा कि हमारा ख्रीस्तीय विश्वास यह सिखाता है कि मृत्यु जीवन का अंत नहीं है बल्कि यह तो जीवन की शुरूआत है। हम यह जानते हैं कि हमारे परिवार से हमारे प्रियजन हमें छोड़कर इस संसार से चले गए हैं लेकिन हमारे विश्वास के अनुसार वे मरे नहीं है। उनका शरीर भले ही इस मिट्टी के अंदर दफन है और खत्म हो चुका है लेकिन उनकी आत्मा प्रभु यीशु में जीवित है। उनके जीवित होने के इसी विश्वास के कारण आज हम सभी यहां एकत्रित हुए हैं। अंत में फादर अमातुस कुजूर ने सभी कब्रों के अशीषित जल से आशीष किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिशिर प्रभात तिर्की, जॉन कैंप आदि की सराहनीय भूमिका रही।

बरमसिया पुल पर 45 दिन तक नहीं चलेगी गाड़ियां

धनबाद : हीरापुर को बरमसिया से जोड़ने वाले बरमसिया पुल की मरम्मत का काम पांच नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा. इस दौरान इस पुल पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा. इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्ट किया है. बरमसिया, मनईटांड़, दुहाटांड़ व आसपास के क्षेत्र के लोग जो बरमसिया होते हुए हीरापुर की तरफ आते हैं, वे अब पुराना बाजार, बैंक मोड़, गया पुल होते हुए आयेंगे. वहीं हीरापुर से बरमसिया की तरफ जाने वाले लोग भी अब बरमसिया पुल की तरफ नहीं जा पायेंगे. वे लोग सभी रणधीर वर्मा चौक से श्रमिक चौक होते हुए बैंक मोड़ व पुराना बाजार होकर जायेंगे. ट्रैफिक डीएसपी ने बताया कि एफसीआइ से निकलने वाले ट्रक भी बरमसिया पुल पर नहीं चलेंगे. सभी ट्रक भूदा होते हुए बलियापुर रोड की तरफ से आना-जाना करेंगे.

धनबाद में दो दिवसीय शास्त्रीय संगीत महोत्सव 22 से

धनबाद : शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने वाली संस्था स्वर संगम धनबाद की ओर से दो दिवसीय शास्त्रीय संगीत महोत्सव का आयोजन 22-23 नवंबर को किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध बनारस के सिद्धस्थ कलाकारों द्वारा कथक नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। 23 नवंबर को रेलवे ऑडिटोरियम में मुख्य कार्यक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस की गायिका तेजश्वनी वर्णेकर गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। बनारस घराने के युवा कलाकार अमृत मिश्रा एवं वसुंधरा शर्मा की कथक की जुगलबंदी में आकर्षण का केंद्र रहेगी। रविवार को स्वर संगम की बैठक में संस्था के कोर कमेटी ने यह निर्णय लिया। 22-23 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत के साधकों के लिए गायन, वादन एवं नृत्य की अलग-अलग श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित करने, समारोह के दूसरे एवं अंतिम दिन देश भर में शास्त्रीय संगीत विधा में अपनी कला का लोहा मनवाने वाले युवा कलाकारों की प्रस्तुति होगी। यह जानकारी संस्था के संस्थापक महामंत्री डॉ बी जगदीश राव ने दी। बैठक में संस्था की अध्यक्ष अर्चना वर्मा, उपाध्यक्ष डॉ रविशंकर सेनगुप्ता, मंत्री हरेन प्रसाद ठाकुर, कोषाध्यक्ष गणेश चक्रवर्ती, एग्जीक्यूटिव कमेटी की सदस्य बिंदु मिश्रा, डॉ अंजू वर्मा एवं संस्थापक इंजीनियर मधुरेश वर्मा उपस्थित थे।

हो भाषा को सवैधानिक मान्यता देने की मांग, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिला प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता

जमशेदपुर : दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में शनिवार को ऑल इंडिया हो लैंग्वेज एक्शन कमेटी के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने हो भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर उन्हें एक मांग पत्र सौंपा.मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रतिनिधियों से हो भाषा में ही बातचीत की और इस पहल की विस्तृत जानकारी ली. उन्होंने कहा कि हो भाषा बोलने वालों की देश में बड़ी आबादी है और इसे संवैधानिक मान्यता मिलनी चाहिए. हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इससे पहले राज्य स्तर की प्रक्रियाओं को पूरा करना आवश्यक है.राष्ट्रपति ने कहा कि हो समाज के लोग अपनी मातृभाषा के वजूद को बचाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं, जो उनके भाषा प्रेम और सांस्कृतिक समर्पण को दशार्ता है.प्रतिनिधिमंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामराय मुंदुईया ने बताया कि देशभर में करीब 50 लाख लोग हो भाषा बोलते हैं. उन्होंने कहा कि यदि यह भाषा आठवीं अनुसूची में शामिल होती है, तो न केवल बोलने वालों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि शिक्षा, प्रशासन और सांस्कृतिक विकास के नये द्वार खुलेंगे.राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुरा बिरुली ने बताया कि राष्ट्रपति से हुई बातचीत बेहद सकारात्मक रही. इससे समाज में नयी आशा जगी है कि आने वाले दिनों में हो भाषा को संवैधानिक मान्यता अवश्य मिलेगी. गौरतलब है कि पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हो भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने का आश्वासन दिया था. झारखंड और ओडिशा सरकारें पहले ही इस संबंध में अनुशंसा पत्र केंद्र सरकार को भेज चुकी है. झारखंड राज्य में हो भाषा को द्वितीय राजभाषा का दर्जा प्राप्त है.प्रतिनिधिमंडल में रामराय मुंदुईया, सुरा बिरुली, बाजू चंद्र सिरका, गिरीश चंद्र हेंब्रम, शांति सिदु, बसंत बिरुली, फूलमती सिरका, जगरनाथ केराई, खिरोद हेंब्रम, गोपी लागुरी, गोमिया ओमंग और निकिता बिरुली शामिल थे.